सांध्य दैनिक
शनिवार
वर्षः 19 अंक : 206
31 अक्टूबर 2026
पृष्ठ : 8
मूल्य 1.00 रूपये प्रति
प्रकाशन स्थल-देहरादून
RNI NO- UTTHIN/2008/25027
वेबसाईट - www.devpath.in
E-mail: devpath2018@gmail.com

डीएवीपी एवं राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त

देवपथ

पैनी नज़र तीखी जुबां गहरा असर

मुख्यमंत्री ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026 का किया शुभारंभ



देहरादून, 31 अक्टूबर (नि०स०)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उत्तराखण्ड पुलिस के नवीन ध्वज, प्रतीक चिह्न, फॉरमेशन साइन, इंसिग्निया, क्रेस्ट एवं सेरेमोनियल वर्दी का अनावरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 'सत्यनिष्ठा से समृद्धि' थीम पर आधारित सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026 का शुभारंभ भी किया। मुख्यमंत्री ने उपस्थित सभी लोगों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। उन्होंने उत्तराखण्ड पुलिस सेवा से भारतीय पुलिस सेवा में प्रोन्नत हुई शाहजहां जावेद खान एवं जगदीश चंद्र को प्रतीक चिह्न अलंकरण कर पदोन्नति की शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने उत्तराखण्ड पुलिस के अधिकारियों एवं जवानों को नवीन गौरव चिह्नों के अनावरण पर बधाई देते हुए कहा कि पुलिस की पहचान को नया स्वरूप प्रदान करना केवल प्रतीकों और वर्दी में बदलाव नहीं, बल्कि पुलिस बल की गौरवशाली परंपराओं, शौर्य, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा के मूल आदर्शों को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि पुलिस के नए प्रतीक गौरव के साथ जिम्मेदारी का भी एहसास कराते हैं। इस नई पहचान का वास्तविक सम्मान तभी होगा, जब प्रत्येक नागरिक को पुलिस के व्यवहार में संवेदनशीलता, कार्यप्रणाली में दक्षता और कार्रवाई में निष्पक्षता दिखाई दे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्मार्ट पुलिसिंग की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। उत्तराखण्ड पुलिस को भी आधुनिक तकनीक से सुसज्जित, अधिक प्रशिक्षित, दक्ष एवं सक्षम बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड पुलिस का नवीन ध्येय वाक्य 'कर्म सत्यं शौर्यम्' कर्तव्यनिष्ठा, सत्यनिष्ठा और साहस का संदेश देता है। पुलिस के प्रत्येक अधिकारी और जवान को इन आदर्शों को अपने आचरण एवं कार्यशैली में आत्मसात करना होगा। वर्दी का सम्मान आचरण से और जनता का विश्वास सेवा से मजबूत होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर उत्तराखण्ड पुलिस के नवीन गौरव चिह्नों का अनावरण विशेष महत्व रखता है। भारत के प्रथम गृह मंत्री एवं राष्ट्रीय एकता के शिल्पकार सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की एकता, अखंडता और आंतरिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि यह अवसर राष्ट्रीय एकता, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा के संकल्प को और अधिक मजबूत करने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह के शुभारंभ पर कहा कि प्रदेश के विकास के साथ शासन व्यवस्था में ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। विकास का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब सरकारी संसाधनों का सही उपयोग हो और आमजन को बिना किसी परेशानी के सरकारी सेवाओं का लाभ मिले। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। भ्रष्टाचारमुक्त शासन व्यवस्था सुनिश्चित करने में सतर्कता विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार की शिकायतों पर कार्रवाई करने के साथ उन खामियों को भी दूर करना आवश्यक है, जिनके कारण भ्रष्टाचार की संभावनाएं पैदा होती हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज उठाने और किसी भी प्रकार की भ्रष्टाचार संबंधी शिकायत हेल्पलाइन नंबर 1064 पर दर्ज कराने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की भांति भ्रष्टाचार संबंधी शिकायतों के लिए संचालित हेल्पलाइन नंबर 1064 की भी नियमित समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराने वाले प्रत्येक व्यक्ति की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से कार्यालय आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की बात संवेदनशीलता से सुनने तथा उनके कार्यों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें उत्तराखण्ड में ऐसी भ्रष्टाचारमुक्त व्यवस्था का निर्माण करना है, जहां प्रत्येक नागरिक को सम्मान मिले, जनसेवाओं में किसी प्रकार की लापरवाही न हो और जनता तथा शासन-प्रशासन के बीच विश्वास निरंतर मजबूत होता रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रदेश के लिए अत्यंत गौरव का विषय है कि आगामी 6 नवंबर को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा उत्तराखण्ड पुलिस को प्रतिष्ठित 'राष्ट्रपति पुलिस कलर' से अलंकृत किया जाएगा। इस अवसर पर उत्तराखण्ड पुलिस के जवान नवीन सेरेमोनियल वर्दी में परेड में प्रतिभाग करेंगे।

मुख्यमंत्री ने उत्तराखण्ड पुलिस के नवीन गौरव चिह्नों का किया अनावरण

मुख्यमंत्री ने देहरादून में 'रन फॉर यूनिटी' कार्यक्रम में किया प्रतिभाग



देहरादून, 31 अक्टूबर (नि०स०)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को पवेलियन ग्राउंड, देहरादून में राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने दौड़ में शामिल युवाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और उनका उत्साहवर्धन करते हुए राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता का संदेश दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने युवाओं, खिलाड़ियों एवं प्रांतीय रक्षक दल (पीआरडी) के जवानों के हित में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री ने प्रांतीय रक्षक दल (पीआरडी) के जवानों के मानदेय में वृद्धि किए जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि मानदेय वृद्धि के संबंध में जल्द ही बैठक आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की प्रत्येक ग्राम पंचायत में मुख्यमंत्री खेल क्लब का गठन किए जाने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों में खेल गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे।

मुख्यमंत्री ने देहरादून के आमवाला स्थित युवा केंद्र से सटी रिक्त भूमि को युवा कल्याण विभाग के नाम हस्तांतरित किए जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस भूमि पर मिनी स्टेडियम एवं अग्निवीर प्रशिक्षण केंद्र का निर्माण किया जाएगा। इससे युवाओं को खेल सुविधाओं के साथ ही सेना में भर्ती की तैयारी के लिए बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी के अंतर्गत विभिन्न स्तरों पर आयोजित खेल प्रतियोगिताओं के विजेता खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि बढ़ाए जाने की भी घोषणा की। इसके तहत न्याय पंचायत स्तर पर प्रथम पुरस्कार 300 से बढ़ाकर 400, द्वितीय पुरस्कार 200 से बढ़ाकर 300 तथा तृतीय पुरस्कार 150 से बढ़ाकर 200 किया जाएगा। विधानसभा स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार की राशि क्रमशः 500, 400 एवं 300 से बढ़ाकर 700, 500 एवं 400 की जाएगी।इसी प्रकार संसदीय क्षेत्र स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार की राशि क्रमशः 800, 600 एवं 400 से बढ़ाकर 1,000, 800 एवं 600 तथा राज्य स्तर पर 1,500, 1,000 एवं 700 से बढ़ाकर क्रमशः 2,000, 1,500 एवं 1,000 किए जाने की घोषणा की गई।

मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी के अंतर्गत ओवरऑल विजेता जनपद को दिए जाने वाले मुख्यमंत्री कप की पुरस्कार राशि 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख किए जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान में मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी के अंतर्गत 32 खेल आयोजित किए जाते हैं, जिनकी संख्या बढ़ाकर 50 की जाएगी। इनमें विशेष रूप से पारंपरिक खेलों को शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने चैंपियनशिप ट्रॉफी के आयोजन के लिए निर्धारित कुल धनराशि में भी वृद्धि किए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए प्रदेशवासियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, दूरदर्शिता और नेतृत्व क्षमता से देश की एकता एवं अखंडता को मजबूत आधार प्रदान किया। उन्होंने विभिन्न रियासतों का एकीकरण कर सशक्त और एकजुट भारत के निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सबसे पहली पहचान भारतीय होने की है।

मुख्यमंत्री ने सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

देहरादून, 31 अक्टूबर (नि०स०)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को घंटाघर, देहरादून स्थित भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।मुख्यमंत्री ने सरदार पटेल के राष्ट्र निर्माण में योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि उनका संपूर्ण जीवन देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता के प्रति समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, दूरदर्शिता और कुशल नेतृत्व से देश की रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत के निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री ने कहा सरदार पटेल ने 560 से अधिक रियासतों के एकीकरण में निर्णायक भूमिका निभाकर एक सशक्त भारत की नींव रखी। उन्होंने कहा देश के पहले उप-प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के रूप में सरकार पटेल के कार्यों का प्रत्येक भारतवासी सदैव याद रखेगा इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री खजान दास, मेयर सौरभ थपलियाल एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

विभागों पर बकाया बिजली बिल भुगतान ममले में सीएम का संज्ञान लेना सराहनीय कदमत्र मोर्चा



विकासनगर (नि०स०)। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष एवं जीएमवीएन के पूर्व उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि मा. मुख्यमंत्री द्वारा सरकारी विभागों पर बकाया बिजली बिल भुगतान को लेकर जो सख्ती दिखाई गई है/ संज्ञान लिया गया है,निश्चित तौर पर सराहनीय कदम है । नेगी ने कहा कि आम विद्युत उपभोक्ताओं की पीड़ा एवं सरकारी विभागों द्वारा विद्युत बकाया बिल भुगतान न करने पर मोर्चा द्वारा कुछ दिन पहले उत्तराखंड पावर कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक श्री प्रकाश चंद्र ध्यानी से मुलाकात कर कार्यवाही की मांग की थी । नेगी ने कहा कि एक तरफ जहां आम विद्युत उपभोक्ता का ?5000 बकाया होने पर विद्युत कनेक्शन काट दिया जाता है, वहीं दूसरी ओर सरकारी विभागों पर लगभग 1300 करोड रुपए बकाया होने के बावजूद भी यूपीसीएल कनेक्शन काटने (हाथ डालने से) कतराता है । यह एक तरह से सौतेला व्यवहार है ।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया!

पौड़ी श्रीनगर गढ़वाल । लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस जनपद में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जिला कार्यालय प्रांगण में अपर जिलाधिकारी पीआर चौहान ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने की शपथ दिलाई। इसके उपरांत कंडोलिया मैदान में 'रन फॉर यूनिटी' (एकता के लिए दौड़) एवं 'रन अगेंस्ट ड्रग्स' (नशे के विरुद्ध दौड़) आयोजित की गई, जिसमें खेल विभाग के समस्त कोच एवं एनसीसी के 150 से अधिक कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी ने सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण में दिए गए अतुलनीय योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस हमें आपसी सद्भाव, भाईचारे और राष्ट्रीय एकजुटता की भावना को मजबूत करने की प्रेरणा देता है। प्रत्येक नागरिक को देश की एकता एवं अखंडता बनाए रखने के लिए अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करना चाहिए। कंडोलिया मैदान में आयोजित दौड़ का शुभारंभ जिला युवा कल्याण अधिकारी पंकज तिवारी एवं जिला क्रीड़ा अधिकारी प्रदीप कुमार ने झंडी दिखाकर किया। दौड़ में शामिल बच्चों ने एकता, आपसी सद्भाव और नशामुक्त समाज का संदेश दिया। इस दौरान जिला युवा कल्याण अधिकारी पंकज तिवारी ने सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन, उनके विचारों तथा राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को उनके जीवन दर्शन और उपलब्धियों से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल का जीवन देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय एकीकरण के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

जैनी प्रकरण पर खामोश क्यों हैं कांग्रेस के नेता ? स्थिति करे स्पष्ट:चमोली



देहरादून (नि०स०)। भाजपा ने जैनी प्रकरण पर कांग्रेस नेतृत्व की जवाबदेही और सार्वजनिक जीवन में नेताओं के आचरण को लेकर सवाल उठाए हैं। पार्टी प्रवक्ता और वरिष्ठ विधायक विनोद चमोली ने कहा कि जनता से जुड़े मुद्दों पर राजनीति करने वाले नेताओं को अपने पुराने विवादों पर भी तथ्यों के आधार पर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। लोकतंत्र में हर राजनीतिक दल और उसके नेताओं को सवालों का जवाब देने के लिए सदैव तैयार रहना चाहिए। किसी पुराने प्रकरण पर चर्चा होने पर राजनीतिक बयानबाजी या एक-दूसरे को चेतावनी देने के बजाय तथ्यों के आधार पर बात करना अधिक जरूरी है। उन्होंने कहा कि जैनी प्रकरण जैसे पुराने और चर्चित मामले पर कांग्रेस नेतृत्व अपनी स्पष्ट स्थिति जनता के सामने क्यों नहीं रखता ? ताकि जनता के सामने वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके। पार्टी का स्पष्ट मत है कि सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता और जवाबदेही किसी एक राजनीतिक दल तक सीमित नहीं हो सकती। जो नेता दूसरों से नैतिकता और जिम्मेदारी की अपेक्षा करते हैं, उनसे भी यही अपेक्षा की जाती है कि वे अपने से जुड़े विवादों पर स्पष्ट और तथ्यपूर्ण जवाब दें। उन्होंने कहा कि काग्रेस नेता हरक सिंह रावत की ओर से भाजपा नेताओं को चेतावनी दिए जाने के बाद यह बहस और तेज हो गई है। ऐसे में कांग्रेस नेतृत्व की जिम्मेदारी है कि वह इस मामले पर अपना पक्ष स्पष्ट करे और राजनीतिक बयानबाजी के बजाय तथ्यों के आधार पर जनता के सवालों का जवाब दे। उन्होंने कहा कि जनता को किसी भी मामले में भ्रमित करने के बजाय सच्चाई सामने आनी चाहिए। सार्वजनिक जीवन में मर्यादा, पारदर्शिता और जवाबदेही लोकतांत्रिक व्यवस्था के महत्वपूर्ण आधार हैं।

राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय मालसी में निबंध लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन

देहरादून (नि०स०)। सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026 के अंतर्गत HUDCO क्षेत्रीय कार्यालय, देहरादून द्वारा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, मालसी में निबंध लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह की थीम 'सत्यनिष्ठा से समृद्धि - Probity for Prosperity' है। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, ईमानदारी, सत्यनिष्ठा एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के साथ-साथ उनकी रचनात्मक प्रतिभा, अभिव्यक्ति क्षमता एवं कल्पनाशीलता को प्रोत्साहित करना था। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में कक्षा 7 की कु. राजनंदिनी ने प्रथम, कु. रूही ने द्वितीय तथा अंकुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। शिवम, आयुष कुमार, संजना, दिव्यांशी एवं अंकुश कुमार को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए। चित्रकला प्रतियोगिता में ऋषभ ने प्रथम, रिया रानी ने द्वितीय तथा अंशुल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भार्गवी कुमारी, अनीश, उन्नति भारद्वाज, दीपांशी एवं आकांक्षा को प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

सुनील मित्तल को फ्रांस का सर्वोच्च सम्मान

देहरादून (नि०स०)। भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक एवं अध्यक्ष सुनील भारती मित्तल को भारत-फ्रांस आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और दूरसंचार, डिजिटल अवसंरचना व उपग्रह संचार के क्षेत्र में योगदान के लिए फ्रांस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'नेशनल ऑर्डर ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर' के शेवेलिए हाल सम्मान से नवाजा गया है। 28 अक्टूबर को फ्रांस निवास में आयोजित समारोह में भारत में फ्रांस के राजदूत थिएरी माथू ने उन्हें सम्मान का प्रतीक चिह्न प्रदान किया। राजदूत ने कहा कि मित्तल ने फ्रांसीसी कंपनियों के साथ साझेदारी और यूटेलसैट में निवेश के जरिए दोनों देशों के आर्थिक एवं रणनीतिक संबंधों को के मजबूती दी है। सम्मान स्वीकार करते हुए सुनील भारती मित्तल ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि फ्रांस के साथ उनका जुड़ाव 1992 में शुरू हुआ था और भारत-फ्रांस संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए उनका प्रयास जारी रहेगा।

एक भारत श्रेष्ठ भारत' के तहत युवा संगम: राज्यपाल से भेंट और केम्पटी में एडवेंचर स्पोर्ट्स के साथ पश्चिम बंगाल के प्रतिनिधियों ने जाने उत्तराखंड के विभिन्न रंग



पौड़ी श्रीनगर गढ़वाल । 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल के अंतर्गत आयोजित 'युवा संगम' (चरण-7) कार्यक्रम के तहत पश्चिम बंगाल से उत्तराखंड के शैक्षणिक व सांस्कृतिक भ्रमण पर आए प्रतिनिधियों के दल का बहुआयामी अनुभव निरंतर जारी है। इस यात्रा के दौरान जहाँ एक ओर प्रतिनिधियों ने राजभवन में माननीय राज्यपाल से भेंट कर उनका ओजस्वी मार्गदर्शन प्राप्त किया, वहीं दूसरी ओर मसूरी स्थित 'हिमालयन एडवेंचर इंस्टीट्यूट' में रोमांचक साहसिक गतिविधियों का लुत्फ उठाया।

राजभवन में माननीय राज्यपाल से औपचारिक भेंट एवं प्रेरक संवाद

राजभवन परिसर में आयोजित विशेष संवाद सत्र के दौरान उत्तराखंड के माननीय राज्यपाल ने पश्चिम बंगाल से आए सभी छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों का आत्मीय स्वागत किया। राज्यपाल महोदय ने व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक प्रतिनिधि से परिचय लिया, उनके गृह क्षेत्र और उत्तराखंड भ्रमण के अनुभवों पर विस्तृत चर्चा की। 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की मूल अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए राज्यपाल महोदय ने कहा: 'भारत की वास्तविक शक्ति इसकी विविध संस्कृतियों, भाषाओं और भौगोलिक भिन्नताओं में छिपी हुई है। जब पश्चिम बंगाल की समृद्ध साहित्यिक एवं बौद्धिक धरोहर और उत्तराखंड की देवभूमि की आध्यात्मिक व प्राकृतिक सुंदरता का परस्पर मिलन होता है, तो इससे राष्ट्रीय एकता और अखंडता को नई शक्ति मिलती है। युवा इस देश के संवाहक हैं। ऐसे अंतर-राज्यीय भ्रमण से युवाओं के दृष्टिकोण का विस्तार होता है और आपसी समझ गहरी होती है। आप सभी यहाँ की समृद्ध स्मृतियाँ और संस्कार अपने साथ लेकर जाएं तथा राष्ट्र निर्माण में योगदान दें।'

संवाद के उपरांत, माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा पश्चिम बंगाल के सभी छात्र- प्रतिनिधियों को स्नेह-प्रतीक के रूप में टोकन गिफ्ट्स प्रदान किए गए। कार्यक्रम के दौरान उत्तराखंड में युवा संगम की नोडल एजेंसी हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय (HNBGU) के नोडल अधिकारी प्रोफेसर महावीर सिंह नेगी ने माननीय राज्यपाल को विश्वविद्यालय की ओर से स्मृति चिह्न भेंट किया। इसी क्रम में पश्चिम बंगाल दल के फैकल्टी मेंबर्स ने भी राज्यपाल महोदय को आदरस्वरूप मोमेंटो प्रदान कर आभार प्रकट किया। राज्यपाल से मुलाकात के पश्चात प्रतिनिधियों ने ऐतिहासिक राष्ट्रपति निकेतन, अत्याधुनिक म्यूजियम और ऐतिहासिक घुड़साल सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों का अवलोकन किया।

उत्तराखंड वन विभाग और वाइल्डलाइफ एसओएस ने घायल युवा जंगली हाथी को उसके झुंड से मिलाया

देहरादून (नि०स०)। वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में एक सुखद सफलता के तहत, उत्तराखंड के पीपल पड़ाव वन रेंज में एक गहरे गड्ढे में फँसे लगभग आठ वर्षीय जंगली हाथी को उत्तराखंड वन विभाग और वाइल्डलाइफ एसओएस के संयुक्त प्रयासों से बचाया गया, उसका उपचार किया गया और अंतत: उसे उसके झुंड से मिलने में सफलता मिली। 25 अक्टूबर की रात इस हाथी को लगभग एक मीटर गहरे गड्ढे से बाहर निकाला गया था। हालाँकि, सुरक्षित बाहर निकाले जाने के बावजूद वह स्वयं खड़ा नहीं हो पा रहा था। वन विभाग की पशु चिकित्सा टीम ने उसका उपचार शुरू किया और उसकी स्थिति पर लगातार निगरानी रखी। बाद में, अतिरिक्त विशेषज्ञता और सहायता के लिए वाइल्डलाइफ एसओएस के विशेषज्ञों को भी इस प्रयास में शामिल किया गया। वाइल्डलाइफ एसओएस की एक टीम घटनास्थल पर पहुँची और वन विभाग के पशु चिकित्सकों के साथ मिलकर हाथी की स्थिति का आकलन किया तथा आगे के उपचार की योजना बनाई। जाँच में उसकी पीठ के ऊपरी हिस्से में सूजन पाई गई। एक्स-रे में कोमल ऊतकों में चोट की आशंका जताई गई, जिसमें रीढ़ की हड्डी के ऊपरी हिस्से के प्रभावित होने की संभावना भी थी। हाथी अपने चारों पैरों को हिला पा रहा था, लेकिन अगले पैरों पर शरीर का भार नहीं संभाल पा रहा था और स्वयं खड़ा होने में असमर्थ था।

वस्त्र मंत्रालय की उत्तराखंड में प्रथम मासिक अंतर-विभागीय समन्वय एवं समीक्षा बैठक आयोजित

देहरादून (नि०स०)। वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार उत्तराखंड राज्य की प्रथम मासिक अंतर-विभागीय समन्वय एवं समीक्षा बैठक का आयोजन 31 अक्टूबर 2026 को क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान केंद्र, सहसपुर, देहरादून में किया गया।

बैठक हाइब्रिड मोड में प्रात: 10:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक आयोजित हुई, जिसमें वस्त्र मंत्रालय के अंतर्गत उत्तराखंड में स्थित विभिन्न कार्यालयों के अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने प्रत्यक्ष तथा ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभाग किया।

बैठक में केंद्रीय रेशम बोर्ड की विभिन्न इकाइयों की ओर से डॉ. पवन सैनी, वैज्ञानिक-डी एवं प्रभारी, क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान केंद्र, सहसपुर; डॉ. विक्रम कुमार, वैज्ञानिक-सी एवं प्रभारी, पी-3 मूल बीज फार्म; श्री अभिषेक सिंह, वैज्ञानिक-सी एवं प्रभारी, पी-2 मूल बीज फार्म; डॉ. प्रशांत जे., वैज्ञानिक-बी एवं प्रभारी, रेशमकीट बीज उत्पादन केंद्र; श्री राहुल पाल, वैज्ञानिक-बी एवं प्रभारी, रेशम परीक्षण एवं सेवा केंद्र; डॉ. अरसाकुमार ई. एवं डॉ. साक्षी वैष्णव, वैज्ञानिक-बी, क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान केंद्र तथा श्री गोपेश कुमार मौर्य, सहायक निदेशक (हस्तशिल्प), देहरादून ने प्रत्यक्ष रूप से प्रतिभाग किया।

ऑनलाइन माध्यम से डॉ. ए.एस. वर्मा, वैज्ञानिक-डी एवं प्रभारी तथा डॉ. दिव्या सिंह, वैज्ञानिक-सी, क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान केंद्र, भीमताल; श्री तपन शर्मा, निदेशक (हथकरघा), दिल्ली एवं प्रभारी, डब्ल्यू.एस.ई., चमोली; श्री संतोष आनंद, सहायक निदेशक (हस्तशिल्प), अल्मोड़ा तथा श्री सुभाष पाल, तकनीकी अधिकारी, चमोली ने बैठक में सहभागिता की।

एमडीडीए की बड़ी कार्रवाई: धौरण रोड और सहस्त्रधारा रोड पर अवैध निर्माण सील

देहरादून (नि०स०)। मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने शहर और आसपास के क्षेत्रों में अनाधिकृत निर्माणों के विरुद्ध सख्त रुख अपनाते हुए शनिवार को बड़ी कार्रवाई की। प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने धौरण रोड स्थित आईटी पार्क क्षेत्र तथा सहस्त्रधारा रोड के विभिन्न स्थानों पर नियमों के विपरीत किए जा रहे निर्माण कार्यों को सील कर दिया। कार्रवाई के दौरान स्वीकृत मानचित्रों से विचलन कर भवन निर्माण करने और बिना मानचित्र स्वीकृति के दुकानें बनाने के मामले सामने आए। प्राधिकरण ने संबंधित मामलों में नियमानुसार वाद योजित करने के बाद वैधानिक प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की। एमडीडीए ने स्पष्ट किया कि देहरादून में सुनियोजित विकास सुनिश्चित करने के लिए भवन निर्माण संबंधी नियमों का पालन अनिवार्य है। बिना मानचित्र स्वीकृति के निर्माण करना अथवा स्वीकृत मानचित्र के विपरीत भवन खड़ा करना नियोजन व्यवस्था का उल्लंघन है। ऐसे मामलों में प्राधिकरण द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। प्राधिकरण की प्रवर्तन कार्रवाई के तहत धौरण रोड स्थित आईटी पार्क क्षेत्र के दून डिवाइन परिसर में मैसर्स युग रियल एलएलपी (देवेश वरयानी) के निर्माण कार्य पर कार्रवाई की गई। यहां छह स्वीकृत मानचित्रों के अनुरूप प्रस्तावित निर्माणों को आपस में जोड़कर एक भवन के रूप में विकसित किया जा रहा था। प्राधिकरण के अनुसार, स्वीकृत मानचित्रों से विचलन करते हुए फ्लैट बनाने के उद्देश्य से निर्माण किया जा रहा था। मामले को गंभीरता से लेते हुए प्राधिकरण ने उत्तराखंड (उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास) अधिनियम के प्रावधानों के तहत वाद योजित किया। नियमानुसार प्रवर्तन कार्रवाई करते हुए मौके पर संबंधित निर्माण को सील कर दिया गया।

एमडीडीए की दूसरी कार्रवाई सहस्त्रधारा रोड स्थित मंदाकिनी विहार में की गई। यहां शुभ्रा राय द्वारा बिना मानचित्र स्वीकृति के तीन दुकानों का निर्माण किया जा रहा था। प्राधिकरण ने इस मामले में नियमानुसार वाद योजित कर संबंधित पक्ष को अपना पक्ष रखने और निर्माण से संबंधित अभिलेख प्रस्तुत करने के लिए विभिन्न तिथियां निर्धारित की थीं। इसके बावजूद संतोषजनक जवाब और आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत नहीं किए गए। इसके बाद प्राधिकरण ने मौके पर पहुंचकर अनाधिकृत निर्माण को सील कर दिया।

देश में पहली बार, मदरसों के लिए नया पाठ्यक्रम हुआ तैयार; जल्द हो सकता है लागू



नई दिल्ली (आरएनएस)। उत्तराखंड सरकार ने मदरसों समेत सभी अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों के लिए नया धार्मिक शिक्षा पाठ्यक्रम तैयार कर लिया है। इसके साथ ही उत्तराखंड ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। कक्षा 1 से 8वीं तक का पाठ्यक्रम पहले ही तैयार किया जा चुका है और इसे इसी सप्ताह लागू करने की तैयारी है। वहीं, कक्षा 9वीं से 12वीं तक के लिए भी पाठ्यक्रम तैयार कर लिया गया है। जल्द ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से इसका विमोचन कराने की योजना है। नया पाठ्यक्रम लागू होने के बाद सभी संबंधित संस्थानों को निर्धारित सिलेबस के अनुसार ही धार्मिक शिक्षा देनी होगी। गौरतलब है कि राज्य में मदरसा बोर्ड को भंग कर अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण का गठन किया गया था। इसके बाद मुस्लिम, सिख, जैन, बौद्ध, ईसाई और पारसी समुदाय के शिक्षण संस्थानों के लिए पहली बार अलग धार्मिक शिक्षा पाठ्यक्रम तैयार किया गया है।

इसी सत्र से पढ़ाई, अगले सत्र में छपेंगी किताबें

सरकार की योजना के मुताबिक कक्षा 1 से 8वीं तक की अध्ययन सामग्री ऑनलाइन और ऑफलाइन उपलब्ध कराई जाएगी। इसी सामग्री के आधार पर विद्यार्थियों की परीक्षाएं भी आयोजित होंगी। कक्षा 9वीं से 12वीं तक के लिए भी यही व्यवस्था लागू की जाएगी। हालांकि, पाठ्यपुस्तकों का प्रकाशन अगले शैक्षणिक सत्र में बजट की व्यवस्था होने के बाद किया जाएगा। मौजूदा सत्र का आधे से अधिक समय बीत चुका है, इसलिए फिलहाल अध्ययन सामग्री के माध्यम से पढ़ाई कराई जाएगी।

मान्यता नहीं लेने पर लगेगा 5 लाख रुपये तक जुर्माना

अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों को नियमों के दायरे में लाने के लिए सरकार ने अल्पसंख्यक शिक्षा अधिनियम संशोधन विधेयक सदन में पारित किया है। इसके प्रावधानों के तहत बिना मान्यता या नियमों का उल्लंघन कर धार्मिक शिक्षा देने वाले संस्थानों पर 5 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके अलावा संबंधित संस्थान को बंद करने और वहां रिसीवर नियुक्त करने जैसी कार्रवाई भी की जा सकेगी।

पहले 452 मदरसे थे, अब 35 संस्थानों को मिली मान्यता

जानकारी के अनुसार, पहले उत्तराखंड में मदरसा बोर्ड के तहत 452 मदरसे संचालित होते थे। अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के गठन के बाद अब तक 35 संस्थानों ने इससे मान्यता प्राप्त की है। बताया गया है कि आधे से अधिक मदरसे बंद हो चुके हैं। इसके अलावा करीब 80 संस्थानों ने शिक्षा विभाग से मान्यता ली है, जबकि 100 से अधिक संस्थानों ने विभाग में मान्यता के लिए आवेदन किया है।

धार्मिक शिक्षा के साथ आधुनिक विषयों पर भी जोर

नए पाठ्यक्रम में धार्मिक शिक्षा के अलावा नैतिक मूल्य, स्वतंत्रता संग्राम की गाथा, डिजिटल व्यवहार, नशे से बचाव और आपसी भाईचारे जैसे विषयों को भी शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को धार्मिक ज्ञान के साथ आधुनिक शिक्षा, सामाजिक जिम्मेदारी और नैतिक मूल्यों से भी परिचित कराना है।

धामी बोले- गुणवत्तापूर्ण और एकसमान शिक्षा प्राथमिकता

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और एकसमान शिक्षा उपलब्ध कराना है। धार्मिक शिक्षा का पाठ्यक्रम तैयार हो चुका है और इसे जल्द लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मदरसों समेत सभी शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों को आधुनिक और रोजगारपरक शिक्षा मिलनी चाहिए, ताकि वे राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकें।

पंजाब में जहरीली हुई हवा, पराली जलाने के 1,007 मामले दर्ज, सांस लेने में हो रही दिक्कत

पटियाला (आरएनएस)। पंजाब में धान की कटाई के बीच पराली जलाने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) ने बताया कि 29 अक्टूबर तक राज्य में पराली जलाने की कुल 1,007 घटनाएं दर्ज की गई हैं। इनमें सबसे ज्यादा मामले तरनतारन जिले से सामने आए हैं, जिसके बाद अमृतसर और फिरोजपुर का नंबर आता है। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की 29 अक्टूबर तक की जिला-वार रिपोर्ट के मुताबिक, तरनतारन में राज्य के कुल मामलों का लगभग 39 प्रतिशत हिस्सा दर्ज किया गया है। वहीं, अमृतसर और फिरोजपुर को मिलाकर इन तीन जिलों में ही कुल 672 घटनाएं सामने आई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में पराली जलाने की कुल 1,007 घटनाओं में से तरनतारन जिले में सबसे अधिक 397 मामले सामने आए हैं। इसके बाद अमृतसर में 171 और फिरोजपुर में 104 मामले दर्ज किए गए हैं। पीपीसीबी ने बताया कि गुरदासपुर में 72 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद कपूरथला में 63, बठिंडा में 31, फाजिल्का में 28, जालंधर में 22 और फरीदकोट में 21 घटनाएं सामने आईं। पटियाला और होशियारपुर में क्रमश: 16 और 12 मामले दर्ज किए गए। संगरूर में भी 12 घटनाएं सामने आईं, जबकि फतेहगढ़ साहिब में 11 मामले दर्ज हुए। मुक्तसर में 9 मामले सामने आए, और मोगा, बरनाला और एसएएस नगर में 7-7 घटनाएं दर्ज की गईं। इसके अलावा, लुधियाना में 6, मलेरकोटला में 5, एसबीएस नगर में 3, रूपनगर में 2 और पठानकोट में 1 घटना सामने आई। रिपोर्ट के अनुसार, मानसा में पराली जलाने की कोई घटना दर्ज नहीं की गई। पटियाला जिले में अब तक पराली जलाने के 16 मामले सामने आए हैं। अधिकारियों ने 14 जगहों का निरीक्षण किया और उनमें से सात जगहों पर पराली जलाए जाने की पुष्टि की।

प्रधानमंत्री मोदी दिसंबर में करेंगे बेल्जियम का दौरा, भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते पर होंगे हस्ताक्षर



नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिसंबर में बेल्जियम की राजधानी ब्रुसेल्स का दौरा करेंगे। इस दौरान भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए जाएंगे। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने इसकी जानकारी दी है। इस समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद इसके लागू होने का रास्ता साफ होगा और भारत तथा यूरोपीय संघ के 27 सदस्य देशों के बीच आर्थिक एवं व्यापारिक संबंधों को नई मजबूती मिलेगी। कनाडा के मॉन्ट्रियल में आयोजित मॉन्ट्रियल काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस के एक कार्यक्रम में कोस्टा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी दिसंबर में समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए ब्रुसेल्स आएंगे। प्रधानमंत्री का यह दौरा 17 दिसंबर को ब्रुसेल्स में होने वाली यूरोपीय नेताओं की बैठक से ठीक पहले संभावित है। भारत और यूरोपीय संघ ने इस वर्ष की शुरुआत में मुक्त व्यापार समझौते को लेकर बातचीत पूरी कर ली थी। भारत और यूरोपीय संघ के बीच होने वाला यह समझौता वैश्विक व्यापार के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसके माध्यम से दो अरब से अधिक लोगों का विशाल बाजार एक साथ आएगा, जो दुनिया की कुल अर्थव्यवस्था का लगभग एक चौथाई हिस्सा है। समझौते का प्रमुख उद्देश्य दोनों पक्षों के बीच व्यापारिक बाधाओं को कम करना, आयात-निर्यात को आसान बनाना और कारोबारियों के लिए एक-दूसरे के बाजारों तक पहुंच बेहतर करना है।

इस समझौते के तहत भारत को अपने 99 प्रतिशत से अधिक निर्यात के लिए यूरोपीय बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच मिलने का प्रावधान है। इससे भारतीय कपड़ा, चमड़ा, आभूषण, रत्न और अन्य निर्यात आधारित उद्योगों को बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है। यूरोपीय बाजार में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ने के साथ ही निर्यात के नए अवसर भी खुलेंगे।

समझौते के बदले यूरोपीय संघ को भारत में निर्यात किए जाने वाले सामान के बड़े हिस्से पर आयात शुल्क में कटौती अथवा छूट मिलेगी। हालांकि, वाहन और वाहन कलपुर्जों जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में शुल्क में कमी धीरे-धीरे लागू की जाएगी, ताकि घरेलू उद्योगों को बदलाव के लिए पर्याप्त समय मिल सके। भारत ने अपनी घरेलू कृषि और डेयरी क्षेत्र को इस समझौते के दायरे से बाहर रखा है। इससे इन क्षेत्रों के हितों और घरेलू उत्पादकों के संरक्षण को ध्यान में रखा गया है। यह समझौता केवल वस्तुओं के व्यापार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसमें विभिन्न सेवाओं को भी शामिल किया गया है। सूचना प्रौद्योगिकी, पेशेवर सेवाएं, व्यावसायिक परामर्श तथा अनुसंधान एवं विकास जैसे क्षेत्रों में सहयोग और कारोबार के नए अवसर विकसित होंगे। इससे भारतीय सेवा प्रदाताओं को यूरोपीय बाजार में अपनी पहुंच बढ़ाने का अवसर मिलेगा। वहीं यूरोपीय कंपनियों के लिए भी भारतीय बाजार में कारोबार और निवेश की संभावनाएं बढ़ेंगी। पिछले कुछ वर्षों में भारत और यूरोपीय संघ के बीच व्यापार में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2024-25 में दोनों पक्षों के बीच वस्तुओं का कुल व्यापार बढ़कर 136.54 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। यह भारतीय मुद्रा में 13 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। मुक्त व्यापार समझौते के लागू होने से द्विपक्षीय व्यापार में और तेजी आने की संभावना है। साथ ही निवेश, रोजगार, औद्योगिक सहयोग और तकनीकी विकास को भी प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री मोदी की प्रस्तावित ब्रुसेल्स यात्रा को भारत और यूरोपीय संघ के आर्थिक संबंधों में एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है।

चक्रवात अर्नब का असर : राजस्थान के 28 जिलों में बारिश, येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी



जयपुर । चक्रवात अर्नब का असर राजस्थान में लगातार देखने को मिल रहा है। प्रदेश के कई हिस्सों में तेज हवाओं के साथ बारिश और ओलावृष्टि हो रही है। मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए 28 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश के लिए येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। जयपुर में दोपहर से ही रुक-रुककर बारिश हो रही है। ठंडी हवाओं के साथ ठंड भी बढ़ गई है। शहर के कई इलाकों में ओले भी गिरे हैं। पिछले 24 घंटों में करौली, भरतपुर, धौलपुर, अलवर, दौसा, सवाई माधोपुर, भीलवाड़ा, अजमेर, नागौर और टोंक समेत कई जिलों में बारिश दर्ज की गई। मौसम बदलने से तापमान में बड़ी गिरावट आई है। करीब 20 जिलों में अधिकतम तापमान 5 डिग्री तक नीचे आ गया है, जबकि कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान में 10 डिग्री तक की कमी आई है। अलवर जिले की थानागाजी पंचायत समिति के प्रतापगढ़ गांव में गुरुवार देर रात से रुक-रुककर बारिश हो रही है।

बारिश से मतदान केंद्रों पर वोट डालने आए मतदाताओं को परेशानी हुई। कई लोग छाता लेकर वोट डालने पहुंचे।

पश्चिमी राजस्थान में अभी भी अपेक्षाकृत गर्मी बनी हुई है। प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान 30 डिग्री से नीचे रहा, लेकिन कुछ पश्चिमी जिलों को छोड़कर। बाड़मेर में प्रदेश का सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 35.8 डिग्री दर्ज किया गया।

जयपुर में गुरुवार दोपहर शुरू हुई बारिश रात और शुक्रवार सुबह तक जारी रही। टोंक रोड, गोपालपुरा, मालवीय नगर, जगतपुरा, अजमेरी गेट और कलेक्ट्रेट समेत कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। शहर का अधिकतम तापमान 4 डिग्री गिरकर 27.4 डिग्री सेल्सियस हो गया। मौसम विभाग ने शुक्रवार को भी जयपुर में बारिश की संभावना जताई है।

अलवर में गुरुवार सुबह से रुक-रुककर हल्की बारिश हुई, जिससे ठंडक बढ़ गई। अधिकतम तापमान 27 डिग्री के आसपास रहा। उदयपुर में गुरुवार सुबह से बादल छाए रहे, बीच-बीच में धूप भी निकली और हल्की ठंड महसूस की गई, अधिकतम तापमान 30 डिग्री रहा।

कोटा में गुरुवार सुबह आसमान में बादल छाए रहे, हालांकि बारिश नहीं हुई, दोपहर में धूप निकली। अधिकतम तापमान 30.9 डिग्री और न्यूनतम 21.6 डिग्री रहा। जोधपुर में मौसम में उतार-चढ़ाव रहा। गुरुवार को बारिश का अनुमान था, लेकिन बादल छाए रहने के बावजूद बारिश नहीं हुई। अधिकतम तापमान 34.2 डिग्री रहा, जो सामान्य से 0.4 डिग्री कम है, जबकि न्यूनतम 20.4 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा है। शुक्रवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

सम्पादकीय

बदल दिया राजनीतिक विमर्श

हाल में संकेत मिले कि सत्ता पक्ष का नैरेटिव कंट्रोल टूट रहा है। उस नियंत्रण को वापस पाने के हालिया प्रयास कारगर नहीं हुए। तो अब संभवत: सरकार की शक्ति के इस्तेमाल की रणनीति बनी है। भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने बीते आठ अक्टूबर को सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को एडवाइजरी भेजी। इसमें कहा गया था कि वे दिल्ली में चल रहे राजनीतिक आंदोलनों के सिलसिले में भ्रामक, पुरानी या संदर्भ से अलग सामग्रियों पर कड़ी निगरानी रखें। उसके बाद दस अक्टूबर को मंत्रालय ने सोशल मीडिया कंपनी मेटा को अलग निर्देश भेजा। उसमें फेसबुक और इंस्टाग्राम के कंटेंट रिकमेंडेशन सिस्टम (एल्गोरिदम) पर सवाल उठाया गया। कुल मिलाकर सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स को आगाह किया गया है कि उन पर एकतरफा नैरेटिव जा रहा है, जिसे उन्हें नियंत्रित करना चाहिए। मंत्रालय ने कहा कि एल्गोरिदम ऐसा होना चाहिए, जिससे यूजर्स को किसी भी मुद्दे पर एकतरफा जानकारी या सीमित नैरेटिव ना मिले। अब सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने टीवी चैनलों को प्रसारण संबंधी नियमों का सख्ती से पालन करने को कहा है। अपनी एडवाइजरी में मंत्रालय ने कहा कि बहस के लिए गेस्ट के चयन में सावधानी बरती जाए और जरूरत पड़ने पर चैनलों को टिप्पणियां म्यूट करने, चेतावनी दिखाने, डिस्क्लेमर लगाने या प्रसारण रोकने जैसे कदम उठाने चाहिए। सरकार ने आगाह किया है कि केबल टेलीविजन नेटवर्क्स अधिनियम-1995 और उससे जुड़े प्रोग्राम कोड के उल्लंघन पर कार्रवाई की जा सकती है। संदर्भ सामान्य हो, तो इन परामर्श-पत्रों को सरकार के सामान्य कर्तव्य निर्वहन के रूप में समझा जाता। लेकिन फिलहाल जो पहल हुई है, उसे मौजूदा परिस्थितियों से अलग करके नहीं देखा जा सकता। आम समझ बनी है कि कॉकरोच आंदोलन के उदय ने देश में राजनीतिक विमर्श को बदल दिया है। अपेक्षाकृत संपन्न घरों से आए नौजवानों ने ऐसी तीखी और अ-शालीन शब्दावली को आम बना दिया, जिससे माहौल बदला और सत्ता पक्ष एवं उसके नेताओं के लिए तब तक अनकही बातें खुल कर कही जाने लगीं। इससे संकेत मिला कि सत्ता पक्ष का नैरेटिव कंट्रोल टूटने लगा है, जो उसकी राजनीतिक शक्ति का प्रमुख आधार रहा है। उस नियंत्रण को वापस लाने के प्रयास पहले हुए, लेकिन वे कारगर नहीं हुए। तो अब संभवत: सरकार की शक्ति का इस्तेमाल करने की रणनीति बनी है। लेकिन बदले माहौल में इसकी कामयाबी भी संदिग्ध है।

देवभूमि की मर्यादा और रामलीला मंचन: संस्कार बनाम फूहड़ता का गंभीर चिंतन!

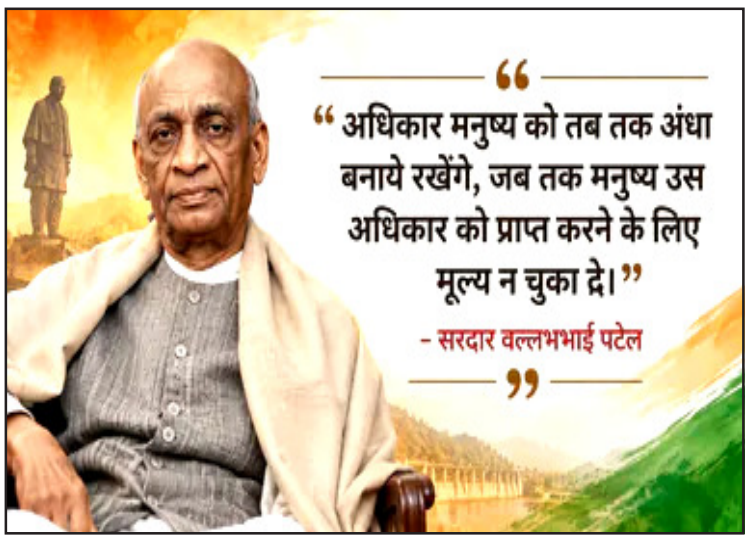
ऋषि-मुनियों की पावन तपस्थली, दिव्य ऊर्जा और सनातन चेतना की प्राणवायु से आलोकित हमारी देवभूमि उत्तराखंड का महत्व युग-युगांतरों से स्वयंसिद्ध रहा है। यह वह पुण्य धरा है जहाँ जन्म लेने के लिए स्वयं देवता भी आतुर रहते हैं। हिमालय के उत्तुंग शिखरों और अविरल बहती गंगा-यमुना की निर्मल धाराओं से अभिसिंचित इसी तपोभूमि के आध्यात्मिक गौरव के कारण भारतवर्ष को विश्व पटल पर 'जगतगुरु' की अमर प्रतिष्ठा प्राप्त हुई है। हमारी सनातनी संस्कृति केवल परंपराओं का निर्वहन भर नहीं, बल्कि मानव जीवन को धर्म, नीति, त्याग और आदर्शों से परिपूर्ण करने वाली एक जीवंत जीवन-पद्धति है। हमारा परम सौभाग्य है कि शरदोत्सव के इस पावन कालखंड में देवभूमि के गाँव-गाँव और नगर-नगर में रामलीलाओं के भव्य मंचन की सुदीर्घ परंपरा रही है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के उदात्त चरित्र, उनकी पितृ-भक्ति, सत्यनिष्ठा और भ्रातृ-प्रेम से जन-जन को साक्षात्कार कराने का यह एक सशक्त और प्रेरक माध्यम है। हमारे पर्वतीय अंचलों में रामलीलाएं शास्त्रीय संगीत, मर्यादित अभिनय और आध्यात्मिक भावधारा से ओत-प्रोत होकर आदर्श जीवन-मूल्यों की खुली पाठशाला के रूप में कार्य करती रही हैं। किंतु वर्तमान परिप्रेक्ष्य में एक अत्यंत चिंताजनक और पीड़ादायक प्रवृत्ति देखने को मिल रही है, जो हम सभी संवेदनशील सनातनी चिंतकों को आत्ममंथन के लिए विवश करती है। आज कतिपय मंचों पर रामकथा के मूल मर्म और उसकी पावन मर्यादा को दरकिनार कर केवल सस्ती लोकप्रियता और फूहड़ मनोरंजन को प्राथमिकता दी जाने लगी है। विशेषकर शूर्पणखा के प्रसंग में जिस प्रकार का भड़कीला, असंतुलित और द्विअर्थी अभिनय परोसा जा रहा है, वह हमारी सांस्कृतिक गरिमा को तार-तार कर रहा है।

रामकथा में शूर्पणखा का प्रसंग वस्तुत: वासना, अहंकार और अनियंत्रित कामनाओं के दुष्परिणामों को रेखांकित करते हुए मर्यादा और संयम की विजय का उद्घोष करता है। किंतु आज के कुछ मंचों पर उसे केवल हास्य और अश्लीलता के आवरण में लपेटकर अनावश्यक रूप से केंद्र में लाया जा रहा है। घंटों तक चलने वाले अमर्यादित संवाद, अशालीन हाव-भाव और फूहड़ नृत्य न तो हमारी देवभूमि के संस्कारों के अनुकूल हैं और न ही किसी शुभकारी संदेश का संवाहक बनते हैं। यह दृश्य नई पीढ़ी के कोमल मानस पर अत्यंत भ्रामक प्रभाव डालते हैं। रामलीला मंचन कोई बाजारू तमाशा नहीं, अपितु समाज को सन्मार्ग दिखाने वाला पावन अनुष्ठान है। यदि मंच से ही मर्यादा, लज्जा और शालीनता ओझल हो जाएगी, तो समाज के समक्ष चरित्र निर्माण का कौन-सा आदर्श स्थापित होगा? क्षणिक तालियों और उथले कौतूहल के लिए अपनी युगों पुरानी समृद्ध परंपरा को विकृत करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। अत: समय की पुकार है कि रामलीला प्रबंध समितियां, प्रबुद्ध नागरिक, निर्देशक और कलाकार इस सांस्कृतिक विचलन के प्रति सजग हों। मंचन में पात्रों की प्रस्तुति, संवादों की गरिमा और कथा के नैतिक संदेशों पर कठोर स्वनियंत्रण रखा जाए। हमें यह सदैव स्मरण रखना होगा कि रामलीला का वास्तविक सौंदर्य भगवान श्री राम की उस मर्यादा में है, जो हर युग में मानवता को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने का सामर्थ्य रखती है। देवभूमि की इस अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर को उसकी मूल पवित्रता और दिव्यता के साथ सहेज कर रखना ही हम सबका सामूहिक धर्म और कर्तव्य है।

-डा. अखिलेश चंद्र चमोला

भारत के बिस्मार्क का सपना अभी अधूरा

सरदार पटेल जयंती पर विशेष:
डॉ घनश्याम बादल



कुछ लोग समय की धारा के साथ बहते हैं और कुछ उसकी दिशा बदल देते हैं। सरदार वल्लभभाई पटेल दूसरी श्रेणी के नेता थे। भारत आज़ादी के बाद एक बड़ी चुनौती जिस चुनौती से रूबरू हुआ वह थी एक बिखरे हुए सामंतवादी देश को एक राष्ट्र बनाना, जो सैकड़ों रियासतों और परस्पर विरोधी आकांक्षाओं में बंटा हुआ था। अंग्रेज अपने पीछे ऐसा राजनीतिक बारूद छोड़ गए थे, जिसकी चिंगारी देश को टुकड़ों में बांट सकती थी। इस बारूद को निष्क्रिय करने का कठिन काम पटेल ने किया। उनकी जयंती केवल उन्हें याद करने का दिन नहीं, बल्कि यह जांचने का भी दिन है कि हम उनके बनाए भारत को कितना समझ पाए हैं।

31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के नडियाद में जन्मे वल्लभभाई पटेल महात्मा गांधी के संपर्क में आने के बाद वे स्वतंत्रता आंदोलन में कूद पड़े। खेड़ा के किसान आंदोलन और 1928 के बारडोली सत्याग्रह ने उनके नेतृत्व की असली ताकत दिखाई। कर न चुका पाने वाले किसानों के साथ खड़े होकर उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत को चुनौती दी। बारडोली के संघर्ष ने उन्हें 'सरदार' बनाया।

पटेल का व्यक्तित्व गांधीजी की नैतिक शक्ति से प्रभावित तो था, लेकिन उनकी कार्यशैली में व्यावहारिकता और कठोर निर्णय क्षमता का विशेष स्थान था। वे जानते थे कि राजनीति में संगठन, अनुशासन, समय पर निर्णय और परिणाम हासिल करने की क्षमता चाहिए। वे उन नेताओं में थे जो आंदोलन की आग में भी तपे थे और प्रशासन की कठिन जमीन पर उतरना भी जानते थे।

भारत के बिस्मार्क

जर्मनी के एकीकरण में निर्णायक भूमिका निभाने वाले प्रशियाई राजनेता ऑटो फॉन बिस्मार्क को इतिहास में 'जर्मन एकीकरण का शिल्पकार' कहा जाता है। उन्होंने अनेक स्वतंत्र जर्मन राज्यों को एक राजनीतिक राष्ट्र के रूप में संगठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सरदार पटेल ने भी स्वतंत्रता के समय बिखरी हुई भारतीय रियासतों को भारतीय संघ में शामिल कराने का असाधारण कार्य किया। इसी ऐतिहासिक समानता के कारण पटेल को 'भारत का बिस्मार्क' कहा जाता है। यह तुलना केवल दो नेताओं की दृढ़ता तक सीमित नहीं है। दोनों के सामने बिखरे राजनीतिक भूगोल को एक केंद्रीय सत्ता के अधीन संगठित करने की चुनौती थी। दोनों ने कूटनीति, राजनीतिक दबाव और परिस्थितियों के अनुरूप कठोर कदमों का सहारा लिया। अंतर यह था कि बिस्मार्क ने जर्मनी का एकीकरण प्रशिया के नेतृत्व में युद्धों और शक्ति-राजनीति के माध्यम से आगे बढ़ाया, जबकि पटेल को विभाजन की त्रासदी, सांप्रदायिक तनाव, ब्रिटिश सत्ता की वापसी और सैकड़ों रियासतों की जटिलताओं के बीच लोकतांत्रिक भारत का निर्माण करना था। इसलिए यह उपाधि पटेल की ऐतिहासिक भूमिका को समझने का उपयोगी माध्यम है,

1947 में देश के पहले उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री बने पटेल के सामने सबसे बड़ा प्रश्न था— बिखरी हुई 562 रियासतों का भारत में विलय करना।पटेल ने वी. पी. मेनन के साथ मिलकर इस चुनौती का सामना किया। अधिकांश रियासतों को बातचीत और विलय-पत्रों के माध्यम से भारत में शामिल कराया गया। जूनागढ़ में राजनीतिक दबाव और बाद में जनमत-संग्रह कराया वहीं हैदराबाद के निजाम के साथ बातचीत विफल होने पर सितंबर 1948 में सैन्य कार्रवाई की, जिसे उस समय 'पुलिस कार्रवाई' कहा गया। जम्मू-कश्मीर का भारत में विलय भी इसी दौर का महत्वपूर्ण घटनाक्रम था, इस ऐतिहासिक अभियान ने भारत को ऐसे संभावित विखंडन से बचाने में निर्णायक योगदान दिया ।पटेल की विशिष्टता इस बात में थी कि उन्होंने इस जटिल प्रक्रिया में समय गंवाने के बजाय निर्णय लिए और राष्ट्रीय एकता के प्रश्न पर असाधारण दृढ़ता दिखाई।

उनकी उपलब्धियां रियासतों के विलय तक सीमित नहीं थीं। विभाजन के बाद शरणार्थियों का पुनर्वास, सांप्रदायिक हिंसा पर नियंत्रण और आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियां भी सामने थीं। भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा जैसी अखिल भारतीय सेवाओं को बनाए रखने की उनकी वकालत का उद्देश्य एक ऐसा प्रशासनिक ढांचा तैयार करना था, जो राज्यों की सीमाओं से परे राष्ट्रीय एकता और शासन की निरंतरता को मजबूती दे। उन्हें मालूम था कि नक्शे पर सीमाएं जोड़ देना पर्याप्त नहीं; देश को चलाने वाली संस्थाएं भी मजबूत होनी चाहिए।

पटेल को याद करने का मतलब

आज सरदार पटेल की तस्वीर लगभग हर राजनीतिक मंच पर दिखाई दे सकती है। उनकी विशाल प्रतिमा देश के गौरव का प्रतीक है, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या उनके विचार भी हमारे सार्वजनिक जीवन में उतनी ही ऊंचाई प्राप्त कर पाए हैं? महापुरुषों को अपने पक्ष में खड़ा दिखाना राजनीति का आसान तरीका है; उनके सिद्धांतों के अनुसार अपने आचरण को बदलना कठिन काम है। पटेल की राष्ट्रीय एकता की कल्पना को केवल शक्तिशाली केंद्र या कठोर प्रशासन तक सीमित नहीं किया जा सकता। एकता का अर्थ यह भी है कि भाषा, धर्म, जाति और क्षेत्र के आधार पर नागरिकों के बीच स्थायी दीवारें खड़ी न हों। राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र की स्वाभाविक विशेषता हैं, लेकिन जब विरोधी को देश का शत्रु और असहमति को अपराध मानने की प्रवृत्ति बढ़ती है, तब राष्ट्र की सामाजिक नींव कमजोर होती है। पटेल की विरासत का सम्मान करने वालों को यह समझना होगा कि देश को जोड़ने का काम केवल सीमाओं पर नहीं, समाज के भीतर भी करना पड़ता है।

उनकी प्रशासनिक दृष्टि आज भी प्रासंगिक है। शासन में अनुशासन हो, संस्थाएं सक्षम हों, निर्णय समय पर लिए जाएं और अधिकारी राजनीतिक दबाव के बजाय कानून तथा जनहित के प्रति जवाबदेह रहें, ये वे कसौटियां हैं जिन पर आधुनिक भारत को भी खरा उतरना चाहिए। दृढ़ता का अर्थ मनमानी नहीं और राष्ट्रीय एकता का अर्थ विचारों की एकरूपता नहीं है।

सरदार पटेल ने अपने समय में राजनीतिक बिखराव के सामने खड़े होकर भारत की एकता को आकार दिया था। आज चुनौती उस एकता को भीतर से मजबूत करने की है। आज राजनीतिक नेतृत्व को समझना होगा कि उसका भविष्य जनता के विश्वास, लोकतांत्रिक मर्यादा और सामाजिक सद्भाव से जुड़ा है।

पटेल की जयंती पर सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या हम अखंड भारत को केवल राजनीतिक नक्शे पर अखंड रखना चाहते हैं, या उसके नागरिकों के मन में भी एकता बचाए रखना चाहते हैं? सरदार पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि इसी प्रश्न का ईमानदार उत्तर देने में है।

15 नवंबर से महंगे होंगे एआईप्लस स्मार्टफोन के चुनिंदा मॉडल्स

हरिद्वार (नि०स०)। एआईप्लस स्मार्टफोन ने 15 नवंबर, 2026 से अपने पोर्टफोलियो के चुनिंदा मॉडल्स की कीमतें बढ़ाने का ऐलान किया है। खासकर कम कीमत वाले स्मार्टफोन सेगमेंट में लागत का दबाव लगातार बना हुआ है। एआईप्लस स्मार्टफोन अब तक इस दबाव के असर का आकलन करते हुए ग्राहकों के लिए फोन की कीमतें किफायती बनाए रखने की कोशिश करता रहा है। हालांकि, बढ़ती लागत के चलते कंपनी ने कीमतों में एक बार फिर सीमित बढ़ोतरी करने का फैसला किया है, ताकि फोन की कीमतों को किफायती बनाए रखने के साथ ग्राहकों को बेहतर अनुभव भी दिया जा सके। कीमतों में 3,000 रुपए तक की बढ़ोतरी होने वाली है। ऐसे में, ग्राहक 14 नवंबर तक अपने पसंदीदा एआईप्लस स्मार्टफोन मौजूदा कीमतों पर खरीद सकते हैं। नई कीमतों के तहत एआईप्लस पल्स 2 एफई, पल्स 2, नोवा 2 5जी, नोवा 2 नियो 5जी, नोवा 2 पावर 5जी, नोवा 2 प्रो 5जी और नोवा 2 अल्ट्रा 5जी के चुनिंदा वैरिएंट्स 1,000 से 3,000 रुपए तक महँगे होंगे। वहीं, एआईप्लस नोवाफ्लिप 5जी की कीमत में कोई बदलाव नहीं होगा और यह 49,999 रुपए में उपलब्ध रहेगा। इंडस्ट्री में लागत से जुड़ी चुनौतियों के बावजूद, एआईप्लस स्मार्टफोन भारतीय ग्राहकों को किफायती कीमतों पर बेहतर अनुभव देने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी आगे भी कंपोनेंट की लागत और बाजार के बदलते हालात पर नजर रखेगी। साथ ही, ग्राहकों को किफायती तकनीक, भरोसेमंद परफॉर्मेंस और लंबे समय तक बेहतर वैल्यू देने पर अपना ध्यान बनाए रखेगी।



देहरादून में जिला स्तरीय युवा संसद आयोजित, 50 युवाओं ने किया प्रतिभाग

देहरादून (नि०स०)। 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' के अंतर्गत देहरादून में जिला स्तरीय युवा संसद का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मेरा युवा भारत, देहरादून के उपनिदेशक श्री अविनाश कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को युवा संसद कार्यक्रम के उद्देश्य एवं प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में 50 युवाओं ने प्रतिभाग किया। युवा संसद के दौरान 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' विषय पर विभिन्न प्रतिभागियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए और विषय के विभिन्न पहलुओं पर अपनी समझ साझा की। कार्यक्रम में निर्णायक मंडल की भूमिका सामाजिक कार्यकर्ता श्री अवधेश शर्मा, श्री ललित जोशी, पूर्व जिलाधिकारी श्री योगेश धस्माना तथा सुश्री भैरवी ने निभाई। प्रतिभागियों के विचारों और प्रस्तुतियों के आधार पर परिणाम घोषित किए गए। इसमें शिव विश्नोई ने प्रथम, हिमानी ने द्वितीय और नेहा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय युवा संसद में प्रतिभाग करने के लिए शुभकामनाएँ दी गईं।

रिस्पना नगर में निशुल्क मेगा हेल्थ कैंप में सैकड़ों लोगों की सेहत की जांच और इलाज

देहरादून (नि०स०)। देहरादून के रिस्पना नगर में मेडिकल सर्विस सेंटर, कोलकाता एवं ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स ऑर्गेनाइजेशन (AIDSO) उत्तराखंड द्वारा एक सप्ताह तक चले निशुल्क चिकित्सा शिविर का आज समापन हुआ। इस शिविर में सैकड़ों लोगों के स्वास्थ्य की जांच, परामर्श और निशुल्क उपचार किया गया। शिविर में मुख्य चिकित्सक डॉ. तरुण मंडल (हृदय रोग एवं मेडिसिन विशेषज्ञ), डॉ. शैफाली राय (बाल रोग विशेषज्ञ) एवं डॉ. राजकुमार ने अपनी सेवाएं दीं। मेडिकल स्टाफ में सीनियर सिस्टर उन्नति चटर्जी, गौरव (NS), अर्पिता महतो, शमीम काजमी का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में ढ्ढस्ह्र कार्यकर्ता हिमानी, लोकेश, मनीष नेगी, प्रवीण, अमित, राजदीप, कुलदीप आदि ने सहयोग किया। मुख्य चिकित्सक डॉ. तरुण मंडल ने बताया — 'शिविर में ज्यादातर मरीज पोस्ट चिकनगुनिया, शारीरिक दर्द, ब्लड प्रेशर, मोतियाबिंद, सर्दी-खांसी, बुखार के रहे। सामान्य जांच, शुगर, बीपी टेस्ट किए गए तथा गंभीर रोग के मरीजों को उचित परामर्श दिया गया।' मुख्य अतिथि के तौर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता सूर्यकांत धस्माना ने कहा — 'ये एक अनूठा चिकित्सा शिविर है। इससे बड़ी संख्या में गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को फायदा पहुंचा है। डॉ. मंडल अद्भुत कार्य कर रहे हैं। प्रदेश में चिकित्सा सेवाओं की हालत खराब है, ऐसे शिविर विकल्प बन सकते हैं। इस सेवा को आंदोलन का रूप देना होगा।'

विरासत की स्टेज पर बुद्धिमान बच्चों की दिखी दमदार प्रतिभाएं

देहरादून (नि०स०)। विरासत की एजुकेशनल स्टेज पर आज शनिवार को हेरिटेज क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न स्कूली बच्चों ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया और अपनी- अपनी प्रतिभाएं दिखाई ं। रीच संस्था द्वारा आयोजित किए जा रहे विरासत महोत्सव के अंतर्गत शनिवार को हिमालयन कल्चरल सेंटर, निंबूवाला में स्कूली विद्यार्थियों के लिए विरासत हेरिटेज क्विज़ का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 19 विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी ज्ञान क्षमता तथा त्वरित व होनहार ऊर्जावान प्रतिभा सोच का प्रदर्शन किया। क्विज़ में विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों में उत्साह और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में ज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाना, उनकी बौद्धिक क्षमता को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना था। प्रतियोगिता के बाद चार टीमों ने अगले चरण के लिए स्थान हासिल किया। इनमें ओक ग्रोव स्कूल की दो टीमें, समर वैली स्कूल की एक टीम और द ओएसिस की एक टीम शामिल रही। प्रत्येक टीम में दो विद्यार्थी शामिल रहे। खास बात यह रही कि विरासत की इस क्विज प्रतियोगिता में बच्चों के हुनर और जज्बे की प्रशंसा एवं सराहना की गई ढ्ढ क्विज़ प्रतियोगिता के इस आयोजन में प्रतिभाग करने वाले बच्चों के भीतर पूरा उत्साह और जुनून दिखाई दिया ।

कोस्मो फर्स्ट देहरादून में लेकर आए पीवीसी-फ्री ग्रीन ग्राफिक फिल्म्स

देहरादून (नि०स०)। कोस्मो फर्स्ट, अपने कोस्मो फिल्म्स बिज़नेस के माध्यम से, देहरादून में लेकर आए हैं ग्रीन ग्राफिक फिल्म्स- जो व्यवसायों, प्रिंटरों और साइनबोर्ड निर्माताओं को पारंपरिक पीवीसी-आधारित ग्राफिक फिल्मों का पीवीसी-मुक्त विकल्प प्रदान करती हैं। विज़ुअल अपील और मटीलियल इनोवेशन के संयोजन से डिज़ाइन किया गया यह प्रोडक्ट ऐसे ब्रांडिंग समाधानों की बढ़ती ज़रूरत को पूरा करता है, जो गुणवत्ता और प्रत्यास्थता के साथ ग्राफिक्स के ज़िम्मेदार विकल्प प्रदान करें। पॉलीप्रोपाइलीन (बीओपीपी) से निर्मित, कोस्मो ग्रीन ग्राफिक फिल्म्स 100 फीसदी पीवीसी-रहित, थैलेट-रहित और हैलोजन-रहित हैं। पारंपरिक पीवीसी-आधारित ग्राफिक फिल्मों की तुलना में, ये एक अलग मटीरियल कम्पोज़िशन और लाईटवेट कंस्ट्रक्शन से बनाए गए हैं, जिससे हैंडलिंग और इंस्टॉलेशन आसान हो जाता है। ये फिल्में सॉल्वेंट, इको-सॉल्वेंट, यूवी और एचपी लेटेक्स प्रिंटिंग तकनीकों का सपोर्ट करती हैं, जिससे स्पष्ट ग्राफिक्स और वाइब्रेन्ट रंग मिलते हैं। ये फिल्में ग्लॉस और मैट फिनिश में क्लियर और ग्रे एडहेसिव विकल्पों में उपलब्ध हैं, तथा व्यवसायों की विभिन्न ब्रांडिंग और डिस्प्ले संबंधी ज़रूरतों को पूरा करती हैं। रीसायक्लेबल होने के कारण से सस्टेनेबिलिटी को भी बढ़ावा देती हैं।



दिवाली के सीज़न को देखते हुए यह नया प्रोडक्ट खासतौर पर प्रासंगिक हो जाता है जब रिटेलर, शोरूम, रेस्तरां और अन्य व्यवसाय ग्राहकों को लुभाने के लिए फेस्टिव साइनबोर्ड और प्रमोशनल डिस्प्ले में निवेश करते हैं। ग्रीन ग्राफिक फिल्म्स का उपयोग दुकान के साइनबोर्ड, विंडो ग्राफिक्स, स्टोर की सजावट, पॉइंट-ऑफ-सेल डिस्प्ले और प्रमोशनल पैनल के लिए किया जा सकता है। ऐसे में यह त्योहारों के दौरान विज़ुअल कम्युनिकेशन के लिए पारंपरिक पीवीसी-आधारित मटीरियल का अच्छा विकल्प है। इस सीज़न के अलावा भी इन फिल्मों का उपयोग रिटेल ब्रांडिंग, इवेंट ग्राफिक्स और प्रमोशन के अन्य ऐप्लीकेशन्स में भी किया जा सकता है, बशर्ते कि वे कथित इस्तेमाल के लिए उपयुक्त हों।

शहरी विकास को नई दिशा देने हेतु पार्कों के सौन्दर्यीकरण, व्यावसायिक दुकानों एवं यातायात जाम से मुक्ति के प्रस्तावों का प्रस्तुतीकरण



देहरादून (नि०स०)। नगर निगम देहरादून द्वारा शहर के सुनियोजित विकास, नागरिक सुविधाओं के विस्तार एवं शहरी आधारभूत संरचना को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से Urban Challenge Fund (अर्बन चैलेंज फंड) के अंतर्गत विभिन्न विकासात्मक प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं। इसी क्रम में नगर आयुक्त की अध्यक्षता में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पार्कों के विकास एवं सौन्दर्यीकरण, व्यावसायिक दुकानों के निर्माण तथा यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने हेतु ट्रैफिक डी-कंजेशन (यातायात जाम निवारण) से संबंधित प्रस्तावों का प्रस्तुतीकरण किया गया। प्रस्तुतीकरण के दौरान शहर में उपलब्ध भूमि एवं नगर निगम की परिसंपत्तियों का बेहतर उपयोग करते हुए आधुनिक सुविधाओं से युक्त पार्कों के विकास, हरित क्षेत्रों के विस्तार, नागरिकों के लिए बेहतर मनोरंजन एवं सार्वजनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया। इसके साथ ही नगर निगम की भूमि पर व्यावसायिक दुकानों के निर्माण के प्रस्तावों पर भी चर्चा की गई, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ नगर निगम के राजस्व में भी वृद्धि हो सके। यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से ट्रैफिक डी-कंजेशन के अंतर्गत प्रमुख चौराहों एवं व्यस्त मार्गों पर यातायात दबाव कम करने, पार्किंग की समुचित व्यवस्था विकसित करने, सड़क किनारे अव्यवस्थित गतिविधियों को नियंत्रित करने तथा यातायात के सुचारु संचालन हेतु विभिन्न तकनीकी एवं आधारभूत संरचनात्मक उपायों पर प्रस्तुतीकरण दिया गया।

सूचना विभाग में 30 वर्ष की दीर्घकालीन सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए रईस अहमद, महानिदेशक ने दी भावभीनी विदाई

देहरादून (नि०स०)। सूचना एवं लोक संपर्क विभाग में लगभग 30 वर्षों तक अपनी सेवाएं देने के बाद चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी श्री रईस अहमद सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर विभाग की ओर से आयोजित विदाई समारोह में महानिदेशक श्री बंशीधर तिवारी ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया और श्री रईस अहमद के दीर्घकालीन सेवाकाल की सराहना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर महानिदेशक श्री बंशीधर तिवारी ने कहा कि किसी भी विभाग की कार्यप्रणाली को सुचारु बनाए रखने में प्रत्येक कार्मिक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भी



विभागीय व्यवस्था की मजबूत कड़ी होते हैं। श्री रईस अहमद ने लगभग तीन दशकों तक पूरी निष्ठा, लगन और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया है। उनका सेवाकाल अन्य कार्मिकों के लिए भी प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि सरकारी सेवा से सेवानिवृत्ति एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, लेकिन व्यक्ति का अनुभव, व्यवहार और विभाग के प्रति उसका योगदान सदैव याद रखा जाता है। उन्होंने श्री रईस अहमद के स्वस्थ, सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह में अपर निदेशक श्री आशीष त्रिपाठी, संयुक्त निदेशक श्री नितिन उपाध्याय, उप निदेशक श्री मनोज श्रीवास्तव, श्री रवि बिजारनिया, श्री बद्री चंद सहित विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं श्री रईस अहमद के परिजन उपस्थित रहे। सभी ने उनके साथ बिताए कार्यकाल के अनुभव साझा किए और उनके सुखद भविष्य की कामना की।

बर्निगाड़ में आयोजित हुआ प्रभाग दिवस, ग्रामीणों ने उठाई वन संबंधी समस्याएं



बर्निगाड़ (अमित नौटियाल)। नौगांव रेंज के अंतर्गत वन विश्राम भवन बर्निगाड़ में उप प्रभागीय वनाधिकारी की अध्यक्षता में प्रभाग दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने क्षेत्र की विभिन्न वन संबंधी समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा और उनके समाधान की मांग की। बैठक में पूर्व ज्येष्ठ प्रमुख श्याम सिंह राणा ने गांवों में स्थानीय चरागाहों के विकास की आवश्यकता पर जोर दिया।

वन सरपंच मोलागांव जबर सिंह चौहान ने वन पंचायतों के गठन एवं चुनाव के बाद समयबद्ध तरीके से माइक्रोप्लान तैयार करने और बजट आवंटित करने की मांग रखी। इसके अलावा ग्रामीणों ने मानव-वन्यजीव संघर्ष में पशुधन की क्षति पर मुआवजे की जानकारी ली। जनप्रतिनिधियों ने गुलदार, भालू और जंगली सूअर के बढ़ते खतरे से निजात दिलाने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की।

ग्राम पंचायत चोपड़ा एवं कसलाना के प्रधानों ने पिरूल संग्रहण के लिए प्रस्ताव रखा। वहीं, ग्रामीणों ने हक-हकूक के तहत फ्री ग्रांट में चीड़ के अतिरिक्त कैल के वृक्ष उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई।

कार्यक्रम में वन क्षेत्राधिकारी निधि नेगी, पूर्व ज्येष्ठ प्रमुख श्याम सिंह राणा, ग्राम प्रधान बिजौरी जगमोहन सिंह, देवल के प्रधान लवशीष डोभाल, कसलाना के प्रधान अर्जुन सिंह कैंतुरा, न्यूड़ी के प्रधान अरविंद सिंह पंवार, चोपड़ा के प्रधान मुकेश चौहान, वन सरपंच जबर सिंह चौहान सहित ग्रामीण एवं वन विभाग के फील्ड कर्मचारी मौजूद रहे। उप प्रभागीय वनाधिकारी ने सभी की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। वहीं, वन क्षेत्राधिकारी निधि नेगी ने वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा तथा मानव-वन्यजीव संघर्ष की प्रभावी रोकथाम के लिए ग्रामीणों से वन विभाग को सहयोग देने की अपील की।

अहोई अष्टमी संतान की दीर्घायु, आरोग्य और मंगलकामना का महापर्व



ज्योतिषाचार्य डॉ. मंजू जोशी

नमस्कार, प्रणाम, जय माता दी।

आप सभी को अहोई अष्टमी के इस पवित्र पर्व की अनंत शुभकामनाएँ। अवगत कराना चाहूंगी दिनांक 1 नवंबर 2026 दिन रविवार को अहोई अष्टमी का उपवास रखा जाएगा। कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाने वाला यह 'अहोई अष्टमी' उपवास सनातन संस्कृति में विशेष आध्यात्मिक महत्व रखता है। इस दिन माताएँ अपनी संतान के सुखी जीवन, उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु के लिए निर्जला उपवास रखती हैं।

शास्त्रीय महत्व

कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को आने वाले इस उपवास का वर्णन स्कंदपुराण और विभिन्न पौराणिक ग्रंथों में मिलता है। अहोई माता को भगवती पार्वती का ही स्वरूप माना गया है, जो संतान की रक्षा करने वाली और समस्त कष्टों का निवारण करने वाली देवी हैं।

सनातन परंपरा में मातृ शक्ति और संतान के अटूट प्रेम को समर्पित अहोई अष्टमी का उपवास त्याग, समर्पण और वात्सल्य का प्रतीक है। इस उपवास का मुख्य उद्देश्य संतान के जीवन में आने वाले सभी संकटों का निवारण करना, उनकी दीर्घायु सुनिश्चित करना और परिवार में सुख-समृद्धि बनाए रखना है।

इस दिन माताएँ पूरे दिन अन्न और जल का त्याग कर सूर्योदय से लेकर रात्रि में तारों के दर्शन तक निर्जला उपवास का पालन करती हैं।

अहोई अष्टमी का सर्वप्रथम उपवास और पौराणिक कथा-

पौराणिक मान्यतानुसार, अहोई अष्टमी का सबसे पहला उपवास प्राचीन काल में एक साहुकारिन ने रखा था।

कथा- साहूकार की पत्नी से खदान की मिट्टी खोदते समय अनजाने में कुदाल से सेही के बच्चे की मृत्यु हो गई थी। सेही के श्राप से उसकी संतानों की असमय मृत्यु होने लगी। दुखों से व्यथित होकर जब उसने विद्वानों की शरण ली, तो उन्होंने उसे कार्तिक कृष्ण अष्टमी को भगवती अहोई (पार्वती) की पूजा और पश्चाताप स्वरूप निर्जला उपवास रखने की सलाह दी।

साहूकारिन ने नियमपूर्वक यह उपवास किया, जिसके प्रभाव से माता अहोई प्रसन्न हुईं और उसकी सभी संतानों को पुन: जीवनदान व दीर्घायु का वरदान प्राप्त हुआ। तभी से संतान की रक्षा और मंगलकामना के उद्देश्य से यह उपवास करने की परंपरा आरंभ हुई।

(अहोई अष्टमी का यह पावन व्रत मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा और बिहार के क्षेत्रों में अत्यधिक प्रसिद्ध और भक्तिभाव से मनाया जाता है। अब उत्तराखंड के भी कई क्षेत्रों में माताएँ अपनी संतान की दीर्घायु और मंगलकामना के लिए इस उपवास को श्रद्धापूर्वक रखने लगी हैं। विशेषकर मथुरा (राधा कुंड) में इस दिन स्नान और अहोई माता की पूजा का विशेष महत्व माना गया है।)

पूजन विधि एवं स्याऊ (अहोई) माला की परंपरा

प्रात:काल ब्रह्म बेला में नित्य कर्म से निवृत्त होकर स्नानादि के उपरांत अहोई उपवास का संकल्प लें। अखंड ज्योति प्रज्वलित करें, नित्य पूजन करें। संध्याकाल में दीवार पर गेरू से अहोई माता, उनके सात पुत्रों और सेही का चित्र (या कैलेंडर) बनाकर जल से भरा कलश स्थापित करें। रोली, अक्षत, दूध, भोग और फूल, फल, पान सुपारी, पंच मेवा अर्पित कर अहोई अष्टमी की कथा सुनें। रात्रि में आकाश में तारों को अर्घ्य देकर आरती करें और संतान के हाथों से जल पीकर व्रत का पारण करें।

स्याऊ (अहोई) माला का महत्व

पूजन में माताएँ चाँदी की स्याऊ (अहोई) माला धारण करती हैं। प्रत्येक संतान के नाम से या हर वर्ष 1-2 चाँदी के दाने (मनके)(कुछ जातक 4 मनके भी बढ़ाते हैं) इस माला में बढ़ाए जाते हैं। पूजा के समय तारों को अर्घ्य देकर इस माला को रोली-अक्षत से पूजकर गले में धारण किया जाता है और दीपावली/गोवर्धन पूजा के बाद सुरक्षित रख दिया जाता है।

शुभ मुहूर्त

अष्टमी तिथि प्रारंभ: 1 नवंबर 2026 को अपराह्न 02:51 से 02 नवंबर 2026 को अपराह्न 01:11 तक।

पूजा हेतु शुभ मुहूर्त

01 नवंबर सायं 05:36 से सायं 06:54 तक। तारों को अर्घ्य देने का समय: सायं 06:00 के पश्चात (तारों के दर्शन अनुसार)।

पूजा के समय माता अहोई और भगवती पार्वती का ध्यान करते हुए इस शास्त्रीय मंत्र का जाप अत्यंत शुभ एवं फलदायी होता है - **नमस्तेष्टेश्वरि भद्रे सर्वपापहरा हरे। पुत्रान् देहि महाभागे त्वां वयं शरणं गता: ॥**

क्या बाथ टॉवल बदलने का समय आ गया है ?



बाथ टॉवल का इस्तेमाल करने से त्वचा को सुखाने में मदद मिलती है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बाथ टॉवल को कितने समय तक इस्तेमाल किया जा सकता है? दरअसल, बाथ टॉवल को लंबे समय तक इस्तेमाल करने से उसमें कीटाणु पनपने लगते हैं, जो त्वचा के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। आइए आज हम आपको 5 ऐसे संकेतों के बारे में बताते हैं, जो यह बताते हैं कि आपको अपना बाथ टॉवल बदल लेना चाहिए।

गंध आना- अगर आपके बाथ टॉवल में अजीब गंध आने लगे तो उसे तुरंत बदल दें। गीला बाथ टॉवल एक ऐसी जगह होती है, जहां कीटाणु तेजी से बढ़ते हैं, जो त्वचा पर संक्रमण का कारण बन सकते हैं।

इसलिए अगर आपके बाथ टॉवल में अजीब गंध आने लगे तो उसे तुरंत बदल दें।

इसके अलावा इस्तेमाल किए हुए बाथ टॉवल को हमेशा खुली जगह पर सुखाएं ताकि उसमें मौजूद नमी दूर हो जाएं और कीटाणु न पनप सकें।

अगर बाथ टॉवल बहुत पतला हो गया हो तो उसे बदलें

अगर आपका बाथ टॉवल बहुत पतला हो गया है तो उसे बदलें। कई बार धोने के बाद बाथ टॉवल का कपड़ा ढीला और पतला हो जाता है, जिससे वह अपनी नमी को अच्छे से सोख नहीं पाता है।

ऐसे बाथ टॉवल से त्वचा पर खरोंच भी आ सकती है, इसलिए अगर आपका बाथ टॉवल बहुत पतला हो गया हो तो उसे बदल लें।

दाग-धब्बे दिखाई दें तो बदलें बाथ टॉवल

अगर आपके बाथ टॉवल पर दाग-धब्बे दिखाई देने लगे तो उसे बदल लें। बाथटॉवल पर साबुन या शैंपू के दाग लगते हैं, जिन्हें धोने से साफ नहीं किया जा सकता है।

अगर आपके बाथ टॉवल पर पसीने या गंदगी के दाग लगे हैं तो उसे भी बदल लें। इन दागों को साफ करने में काफी समय लग सकता है।

ज्यादा इस्तेमाल के बाद भी नहीं दिख रहा है बदलाव

अगर आप अपने बाथ टॉवल का इस्तेमाल ज्यादा करते हैं और फिर भी उसमें कोई बदलाव नहीं आ रहा है तो उसे बदल लें।

आमतौर पर इस्तेमाल के बाद बाथ टॉवल थोड़ा मुलायम और ज्यादा सोखने वाला हो जाता है। अगर ऐसा नहीं हो रहा है तो इसका मतलब है कि वह पुराना हो गया है।

इसके अलावा अगर बाथ टॉवल ज्यादा गीला रह रहा है तो उसे बदल लें।

ज्यादा समय तक इस्तेमाल करना नहीं है सही

अधिकतर लोग अपने बाथ टॉवल को 2 साल तक इस्तेमाल कर लेते हैं, लेकिन विशेषज्ञों के मुताबिक, हर 6-12 महीने में बाथ टॉवल को बदल लेना चाहिए, खासकर अगर आपके बाथ टॉवल पर कोई विशेष धारण जैसे कि रंग, डिजाइन या पैटर्न नहीं है।

आपका राशिफल



मेष राशि : आज आपका दिन सामान्य रहेगा। कलात्मक कार्यों में रुचि रखने वाले लोगों के लिए आज दिन विशेष है आज आपको अपनी योग्यता को निखारने का मौका मिल सकता है। सड़क पर चलते समय आज ट्रैफिक नियमों को ध्यान में रखकर ही रोड-क्रास करें। आज आप अपने दोस्त को प्रसन्न करने के लिए उन्हें चॉकलेट गिफ्ट कर सकते है। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है। कुछ कार्यों को लेकर आप उलझन में आ सकते हैं लेकिन किसी अनुभवी की मदद से आपको राहत मिलेगी।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए सार्थक रहने वाला है। आज कम्पनी की तरफ से आपको काम के सिलसिले में विदेश यात्रा पर जाना पड़ सकता है। आज स्टूडेंट्स की पढ़ाई में रुचि बढ़ेगी, कई दिनों से किसी टॉपिक को समझने में परेशान चल रही थी आज उसे अच्छे से क्लियर कर पायेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। जीवनसाथी के साथ आज का दिन मनोरंजक गुजरेगा। आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आज सोचा हुआ आपका काम पूरा हो जाएगा।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहेगा। आज बच्चों के भविष्य से जुड़ी कुछ योजनाएं बनेंगी और उन्हें तुरंत लागू करना भी उचित रहेगा। किसी महत्वपूर्ण उद्देश्य को लेकर आज यात्रा भी हो सकती है। अपने उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर आज आपको पॉजीटिव रिस्पॉन्स मिलेगा। आज अपने लवमेट को रिंग गिफ्ट कर सकते हैं, इससे आज आप दोनों के बीच रिश्ते में मधुरता बढ़ेगी।

कर्क राशि : आज आपका दिन उत्तम रहेगा। परिवार वालों के साथ मनोरंजन के लिए कहीं ट्रिप का प्लान बन सकता है। परिवार के सभी सदस्यों के साथ आज अच्छा समय बिताएंगे। रियल स्टेट से जुड़े लोगों की आज फायदेमंद डील हो सकती हैं। सरकारी क्षेत्र में सेवारत व्यक्तियों को आज जरूरी काम से यात्रा करनी पड़ सकती है। इस राशि के व्यापारी वर्ग को आज अचानक बड़ा फायदा हो सकता है। टेन्ट हाउस और ईवेंट मनेजमेंट का काम करने वालों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है, बढ़िया मुनाफा होने वाला है।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आज आपके सारे पुराने काम आसानी से पूरे हो जाएंगे। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। साइंस से जुड़े छात्रों को आज अच्छी जॉब का ऑफर मिल सकता है। बिजनेस के सिलसिले में दोस्त के साथ बाहर जा सकते है। व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए आप किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे। आज किसी से बात करते समय अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें। लवमेट अपने रिश्ते को लेकर घर पर बात करेंगे। रिश्ता तय हो सकता है। जिससे घर में खुशियों का माहौल बना रहेगा।

कन्या राशि : आज आप का दिन बेहतर रहेगा। बच्चों द्वारा आज शुभ समाचार मिलने से घर में खुशी का माहौल रहेगा साथ ही पिछले कुछ दिनों से चल रही किसी दुविधा का भी समाधान निकलेगा जिससे परिवार के सभी सदस्यों को आनन्द की प्राप्ति होगी। आज खाद्य पदार्थों के व्यापार में चार गुना वृद्धि हो सकती है। आज आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत बना रहेगा। आज रूक्ष के स्टूडेंट्स अपने कॉलेज को प्रोजेक्ट पूरा करने में दोस्तों की मदद मिलेगी।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए लकी रहेगा। दोस्तों के साथ आज कहीं बाहर पार्टी करने जा सकते है। इस राशि के बिजनेस मैन को आज अचानक किसी काम का बड़ा आर्डर मिल सकता है। आज व्यवसाय में किसी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन किसी अनुभवी व्यक्ति के मार्गदर्शन से समस्या हल भी हो जाएगी। आपकी आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। अगर आज किसी नये बिजनेस की शुरुआत करने की सोच रहें है तो माता-पिता की राय अवश्य लें निश्चित ही आपको सफलता मिलेगी।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए भाग्यशाली साबित होने वाला है। आज दोस्त की बर्थडे पार्टी में नए लोग मिलेंगे जो आपके लिए आने वाले समय फायदेमंद साबित होंगे। आज ऑफिस के कार्यों में मन लगेगा बॉस आपके काम से प्रभावित होंगे। यदि आज कहीं बाहर जाना चाह रहें है तो ए.टी.एम. कार्ड साथ ले जाना न भूलें। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन संतोषजनक रहेगा अपने स्टडी प्लान में जरूरी बदलाव करेंगे। परिवार के साथ आज रात को बाहर डिनर का प्लान बन सकता है इससे रिश्तों में मधुरता बनेगी।

धनु राशि : आज आप का दिन ताजगी भरा रहेगा। आज की गई मेहनत का सार्थक फल आपको अवश्य मिलेगा। घर में आज किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति के आने से कुछ खास मुद्दों पर सकारात्मक विचार विमर्श होगा। आज आपको ऑफिस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारीयां मिल सकती है। आज किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात का अवसर मिलेगा जिनसे भविष्य से जुड़ी योजनाओं पर विचार-विमर्श कर सकते हैं। आज आपको सबकी बातें ध्यान से सुननी चाहिए। आज आपको आर्थिक रूप से अधिक लाभ होगा।

मकर राशि : आज आपका दिन सामान्य रहेगा। कलात्मक कार्यों में रुचि रखने वाले लोगों के लिए आज दिन विशेष है आज आपको अपनी योग्यता को निखारने का मौका मिल सकता है। सड़क पर चलते समय आज ट्रैफिक नियमों को ध्यान में रखकर ही रोड-क्रास करें। आज आप अपने दोस्त को प्रसन्न करने के लिए उन्हें चॉकलेट गिफ्ट कर सकते है। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है। कुछ कार्यों को लेकर आप उलझन में आ सकते हैं लेकिन किसी अनुभवी की मदद से आपको राहत मिलेगी।

कुंभ राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन करियर को एक बेहतर दिशा देने के लिए अनुकूल रहेगा। कारोबार में आज किसी नए काम को लेकर भ्रमित न हों और उस पर पूरे मन से काम करें निश्चित ही आप सफल होंगे। स्वास्थ्य के मामले में आज बाहर के खाने से परहेज करें। आज किसी काम को करने में जल्दबाजी न करें। आज आपको कारोबार में अच्छा धन लाभ होने वाला है। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए आज का अच्छा रहने वाला है। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए बेहद खास पल लेकर आया है। आज रोजगार में पदोन्नति के अवसर मिलेगा। आज प्रभावशाली लोगों से मेल-मुलाकात होने से आप अपने अंदर भी कुछ बदलाव महसूस करेंगे। बच्चों के भविष्य से जुड़ी कुछ योजनाएं बनेंगी और उन्हें तुरंत लागू करना भी उचित रहेगा ऑफिस में आज आपकी कर्तव्यनिष्ठा के लिए आपको सम्मानित किया जा सकता है इसलिए आज आप ऑफिस टाइम पर जाएं।

निजी दर्द को शब्दों में पिरोकर कादर खान ने लिखा था मुकद्दर का सिकंदर का यादगार सीन



बॉलीवुड अभिनेता कादर खान ने अपने करियर में कभी विलेन बनकर दर्शकों को डराया, तो कभी कॉमेडी से हंसाया। वहीं अपनी लेखनी से अमिताभ बच्चन जैसे सुपरस्टार के किरदारों को खास पहचान भी दी लेकिन फिल्मों में आने से पहले कादर खान की जिंदगी बिल्कुल अलग थी। वह सिविल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर थे और पढ़ाने के साथ थिएटर में भी एक्टिव रहते थे। फिर उनकी जिंदगी में एक ऐसा मोड़ आया, जिसने उन्हें हिंदी सिनेमा के सबसे चर्चित डायलॉग राइटर्स में शामिल कर दिया। कादर खान के लिखे डायलॉग्स की ताकत का एक बड़ा उदाहरण 1978 में रिलीज हुई फिल्म मुकद्दर का सिकंदर का 16 पन्नों वाला सीन है। कादर खान ने इस सीन में अपने जीवन के अनुभवों को उतार दिया था। जब उन्होंने अमिताभ बच्चन को इसे सुनाया तो बिग बी इतने भावुक हो गए कि उनकी आंखों में आंसू आ गए।

कादर खान का जन्म 1937 में काबुल में हुआ था। उनका परिवार बाद में मुंबई आ गया, जहां उन्होंने मुश्किल हालात में अपना बचपन बिताया। पढ़ाई पूरी करने के बाद वह मुंबई के एमएच साबू सिद्दीक पॉलिटेक्निक में लेक्चरर रहे और उन्हें बेस्ट टीचर का अवॉर्ड भी मिला लेकिन पढ़ाने के साथ-साथ एक्टिंग और डायलॉग लिखने का शौक उनके भीतर बना रहा। वह थिएटर में हिस्सा लेते थे और स्टेज पर अपनी प्रतिभा दिखाते थे। इसी दौरान एक नाटक में उनके काम ने लोगों का ध्यान खींचा और उन्हें फिल्मों के लिए डायलॉग लिखने का मौका मिला।

कादर खान ने 1970 के दशक की शुरुआत में फिल्मों के लिए डायलॉग लिखना शुरू किया। 1972 में आई फिल्म जवानी दीवानी को उनके शुरुआती फिल्मी लेखन के अहम पड़ाव के तौर पर याद किया जाता है। इसके बाद राजेश खन्ना की फिल्म रोटी ने उनके करियर को नई पहचान दी।

मनमोहन देसाई और प्रकाश मेहरा जैसे डायरेक्टर्स के साथ उनके काम ने उन्हें इंडस्ट्री में मजबूत जगह दिलाई। उन्होंने अमर अकबर एंथनी, परवरिश, मुकद्दर का सिकंदर, लावारिस, नसीब और कुली जैसी फिल्मों के लिए डायलॉग लिखे। उनकी खासियत यह थी कि वह किरदार के हिसाब से भाषा और अंदाज बदल लेते थे। उनके डायलॉग में कहीं इमोशन था, कहीं गुस्सा और कहीं ऐसा मजाक, जो सीधे दर्शकों से जुड़ जाता था।

कादर खान के करियर का एक यादगार किस्सा फिल्म मुकद्दर का सिकंदर से जुड़ा है। उन्होंने बताया था कि फिल्म में एक सीन था, जिसमें अमिताभ बच्चन का किरदार स्टेज पर अपनी जिंदगी की कहानी सुनाता है। इस सीन को लिखते समय कादर खान ने अपने निजी जीवन के अनुभवों को भी शामिल किया था। यही वजह थी कि वह इस सीन को लेकर काफी भावुक थे। जब उन्होंने इसे फिल्म के डायरेक्टर और प्रोड्यूसर प्रकाश मेहरा को सुनाया तो वह भी भावुक हो गए थे।

लेकिन जब यह स्क्रिप्ट अमिताभ बच्चन तक पहुंची तो 16 पन्नों का सीन देखकर वह हैरान रह गए। उन्हें लगा कि इतने लंबे डायलॉग याद करना और उन्हें पर्दे पर सही भाव के साथ बोलना मुश्किल होगा। उन्होंने सीन को छोटा करने की बात कही। कादर खान उस वक्त दूसरी फिल्म की शूटिंग में व्यस्त थे। फिर अमिताभ बच्चन की तरफ से उन्हें बुलावा आया। कादर खान को लगा कि शायद उनके सीन में कोई कमी निकाली गई है, लेकिन वहां पहुंचने पर उन्हें अपनी बात समझाने का मौका मिला।

कादर खान ने इंटरव्यू में बताया था कि जब वह अमिताभ बच्चन के पास पहुंचे तो उन्होंने सभी को कमरे से बाहर भेज दिया और खुद पूरा सीन पढ़कर सुनाना शुरू किया। जैसे-जैसे कादर खान अपनी जिंदगी से जुड़े अनुभवों को शब्दों में उतारते गए, सीन का इमोशनल असर सामने आता गया।

कादर खान के मुताबिक, पूरा सीन सुनते-सुनते अमिताभ की आंखों में आंसू आ गए। उन्हें समझ आ गया कि ये सिर्फ लंबे डायलॉग नहीं हैं, बल्कि किरदार की जिंदगी और दर्द को बयान करने वाले शब्द हैं। इसके बाद अमिताभ ने कादर खान से कहा कि वह आगे भी अपनी आवाज में सीन रिकॉर्ड करके दिया करें, क्योंकि उनके सुनाने का अंदाज डायलॉग के भाव समझने में मदद करता था। कादर खान की पहचान सिर्फ डायलॉग राइटर तक सीमित नहीं रही। 1973 में फिल्म दाग से बतौर एक्टर उनके फिल्मी सफर की शुरुआत हुई। गोविंदा के साथ उनकी कॉमेडी वाली फिल्मों ने 1990 के दशक में उन्हें नई पीढ़ी के दर्शकों के बीच भी लोकप्रिय बनाया। दुल्हे राजा, कुली नंबर 1 और हीरो नंबर 1 जैसी फिल्मों में उनकी कॉमिक टाइमिंग खूब पसंद की गई।

एक्ट्रेस प्रिया ठाकुर को पर्दे पर दुल्हन बनना पसंद, टीवी शो वसुधा के बारे में दी अपडेट



टीवी एक्ट्रेस प्रिया ठाकुर इन दिनों अपने शो वसुधा में देव और वसुधा की शादी के ट्रैक को लेकर एक्साइटेड हैं। जी टीवी के इस शो में दोनों की जिंदगी एक नया मोड़ लेने जा रही है। खास बात यह है कि इस बार वसुधा को चंद्रिका की मंजूरी भी मिल रही है। शो में देव का किरदार अभिषेक शर्मा निभा रहे हैं, जबकि वसुधा के रोल में प्रिया ठाकुर नजर आ रही हैं। शादी के इस ट्रैक को लेकर प्रिया ने बताया कि पर्दे पर दुल्हन बनना उन्हें हमेशा पसंद रहा है, हालांकि भारी लहंगे, जूलरी और घंटों तक शूटिंग करना आसान नहीं होता। शो में देव और वसुधा की शादी पहले भी हो चुकी है, लेकिन इस बार उनकी शादी का मतलब दोनों के लिए काफी अलग है। इसकी सबसे बड़ी वजह चंद्रिका का वसुधा को अपनी बड़ी बहू के रूप में स्वीकार करना है। दर्शक लंबे समय से इस पल का इंतजार कर रहे थे और अब पूरे परिवार को दोनों के रिश्ते का जश्न मनाते देखना उनके लिए खास होगा।

शादी के ट्रैक के बारे में बात करते हुए प्रिया ने कहा, दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे थे कि चंद्रिका वसुधा को अपनी बड़ी बहू के रूप में स्वीकार करें। मुझे लगता है कि यही बात इस शादी को खास बनाती है। भले ही देव और वसुधा की पहले भी शादी हो चुकी है, लेकिन इस बार चंद्रिका की मंजूरी और आशीर्वाद के साथ पूरा परिवार उनके रिश्ते का जश्न मना रहा है। सभी को उनके लिए खुश होते देखना हमारे लिए भी खास पल है और उन फैंस के लिए भी, जो लंबे समय से देव और वसुधा को इस तरह एक होते देखना चाहते थे। प्रिया ने कहा, शो में शादी से जुड़े कई शानदार फंक्शन दिखाए गए हैं और यह उन सभी फैंस के लिए एक छोटा सा तोहफा है, जिन्होंने देव और वसुधा के सफर में उनका साथ दिया है। शादी के ट्रैक की शूटिंग हमेशा मजेदार होती है, लेकिन इसके साथ कई चुनौतियां भी आती हैं। भारी कपड़े, जूलरी और सेट पर लंबे समय तक काम करना आसान नहीं होता। मुझे स्क्रीन पर दुल्हन बनना हमेशा पसंद रहा है। मुझे खूबसूरत और रॉयल आउटफिट्स के साथ जूलरी पहनना अच्छा लगता है, हालांकि उन्हें लंबे समय तक संभालकर रखना आसान नहीं होता।

उन्होंने कहा, इस पूरे ट्रैक की शूटिंग का अनुभव शानदार रहा है। मुझे यकीन है कि दर्शकों को देव और वसुधा की जिंदगी के इस नए सफर को देखना पसंद आएगा।

देव का किरदार निभाने वाले अभिषेक शर्मा भी इस शादी के ट्रैक को लेकर काफी खुश हैं। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि देव और वसुधा को आखिरकार उनकी खुशियों भरी जिंदगी मिल रही है, जिसका फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। शादी के ट्रैक की शूटिंग काफी एक्साइटिंग होती है। हमारी टीम काफी मेहनत कर रही है, जिससे पूरा काम आसान और मजेदार बन जाता है। पूरी कास्ट भी काफी प्रोफेशनल और सपोर्टिव है। जब आसपास इतने अच्छे लोग हों, तो मुश्किल सीन भी यादगार बन जाते हैं। शो में इससे पहले हल्दी, मेहंदी, संगीत और शादी की रस्मों जैसे कई फंक्शन दिखाए जा चुके हैं। अब देव और वसुधा की शादी का यह ट्रैक दर्शकों के लिए खास होने वाला है।

क्रिसमस से प्यार, लेकिन एक जनवरी के बाद नहीं चाहिए जश्न, हिलेरी डफ ने बताई दिलचस्प बात



अभिनेत्री और गायिका हिलेरी डफ क्रिसमस पर प्यार और उलझन, दोनों महसूस करती हैं। हालांकि, वह इस त्योहार से जुड़ी परंपराओं, संगीत, सजावट और खरीदारी का खूब आनंद लेती हैं, लेकिन चाहती हैं कि इसका उत्साह एक जनवरी तक खत्म भी हो जाए। अब हिलेरी अपने नए ईपी हॉलिडे थिंग्स के जरिए क्रिसमस के इसी खास रंग को लेकर आई हैं। हिलेरी ने इंस्टाग्राम पर अपने नए ईपी के कवर फोटोशूट की कई तस्वीरें साझा कीं। इसके साथ उन्होंने बताया कि उन्हें क्रिसमस बहुत पसंद है। त्योहार से जुड़ी परंपराएं, गाने, सजावट, गर्म कपड़े पहनना, खरीदारी करना और जिंजरब्रेड से घर बनाना उन्हें काफी पसंद है। हालांकि, वह इस पूरे उत्साह को सीमित समय तक ही रखना चाहती हैं। होंने लिखा, जो लोग मुझे जानते हैं, वे जानते हैं कि मुझे क्रिसमस और छुट्टियों का मौसम बहुत पसंद है, लेकिन इसके साथ मेरा रिश्ता थोड़ा उलझा हुआ भी है। मैं क्रिसमस के उत्साह, परंपराओं, संगीत, सजावट, स्वेटर, खरीदारी, जिंजरब्रेड के घरों और ऐसी तमाम चीजों के लिए उत्साहित रहती हूं। लेकिन मैं चाहती हूं कि यह सब एक जनवरी तक खत्म हो जाए और सारी चीजें वापस अटारी में रख दी जाएं। हिलेरी ने आगे अपने फैंस से नए ईपी का आनंद लेने की अपील की। उन्होंने कहा, इस ईपी को खूब सुनें, फिर इसे समेटकर रख दें और अगले साल दोबारा इसका आनंद लें। मेरा नया ईपी हॉलिडे थिंग्स अब रिलीज हो चुका है। हिलेरी डफ ने अपने म्यूजिक करियर की शुरुआत साल 2002 में क्रिसमस एल्बम सांता क्लॉज लेन से की थी। इस एल्बम में क्रिसमस से जुड़े कई लोकप्रिय गानों के नए वर्जन शामिल थे। इस क्रिसमस एल्बम में सांता क्लॉज इज कमिंग टू टाउन, जिंगल बेल रॉक, वंडरफुल क्रिसमस टाइम, स्लो राइड और लास्ट क्रिसमस जैसे लोकप्रिय गानों के नए वर्जन शामिल हैं।

श्रीनगर में मुख्यमंत्री के स्वागत को सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब, करोड़ों के विकास कार्यों की सौगात!



पौड़ी श्रीनगर गढ़वाल। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के श्रीनगर आगमन पर शहर में उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला। मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए सड़कों के किनारे बड़ी संख्या में लोग उमड़े रहे। जगह-जगह लोगों ने उनका अभिनंदन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने भी लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। श्रीनगर दौरे पर मुख्यमंत्री ने नगरवासियों को लगभग 9.35 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात देने के साथ करीब नौ साल बाद सिटी बस सेवा का शुभारंभ किया। वहीं, 'सशक्त बहना, सशक्त उत्तराखंड' कार्यक्रम के माध्यम से महिला स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहन राशि वितरित की और 51 पर्यावरण मित्र महिलाओं को हेल्थ एवं हाइजीन किट प्रदान की।

श्रीनगर पहुंचने पर मुख्यमंत्री का कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, सतपाल महाराज, विधायक भरत चौधरी, जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया, महापौर आरती भंडारी, जिला पंचायत अध्यक्ष रचना बुटोला सहित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने स्वागत किया। इस अवसर पर जूनियर दिल्ली स्कूल की प्रधानाचार्य बबिता गुसाईं के साथ आए 10 विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री को डीक्राफ्ट भेंट किया। मुख्यमंत्री ने बच्चों से आत्मीय संवाद कर उनका हालचाल जाना और उन्हें प्रोत्साहित किया। 'सशक्त बहना, सशक्त उत्तराखंड' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को 2,01,530 का चेक वितरित किया। साथ ही 51 पर्यावरण मित्र महिलाओं को हेल्थ एवं हाइजीन किट प्रदान की। इस पहल के माध्यम से महिला समूहों की आजीविका को प्रोत्साहन देने के साथ स्वच्छता कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही महिलाओं के स्वास्थ्य एवं व्यक्तिगत स्वच्छता का ध्यान रखने का प्रयास किया गया। श्रीनगरवासियों की लंबे समय से प्रतीक्षित मांग पूरी करते हुए नगर में करीब नौ साल बाद सिटी बस सेवा फिर शुरू हुई। महापौर आरती भंडारी की पहल पर जिलाधिकारी को दिए गए प्रस्ताव के क्रम में जिला प्रशासन द्वारा अनटाइड फंड से उपलब्ध कराई गई लगभग 22.48 लाख की लागत वाली 30 सीटर बस का मुख्यमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया तथा बस की चाबी नगर निगम को सौंपी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी पार्षदों से भरी सिटी बस का फ्लैग ऑफ किया। यह बस धारी देवी से कलियासौड़ होते हुए कीर्तिनगर पुल तक संचालित होगी तथा शुरुआत में प्रतिदिन कम से कम पांच चक्कर लगाएगी। सर्दियों में बस का संचालन सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक और गर्मियों में सुबह 7 बजे से रात 8 बजे तक किया जाएगा। यात्रियों की सुविधा के लिए शहर में विभिन्न स्थानों पर बस स्टॉप भी बनाए जाएंगे। बस का न्यूनतम किराया निर्धारित किया गया है, जिससे विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों, स्थानीय नागरिकों और बाजार आने-जाने वाले लोगों को किफायती आवागमन की सुविधा मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने श्रीनगर में स्थापित ईवी चार्जिंग स्टेशन का लोकार्पण भी किया। इससे इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को प्रोत्साहन मिलने के साथ शहर में पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। यह पहल स्वच्छ एवं हरित शहरी विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री ने नगर निगम श्रीनगर क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं निस्तारण सुविधा, स्वर्गीय रणजीत सिंह भंडारी वाटिका (रेन वॉटर हार्वेस्टिंग पार्क), सड़क एवं नाली निर्माण, लक्ष्मीनारायण पार्क, पार्कों का सौंदर्यीकरण तथा अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्य शामिल हैं। इन परियोजनाओं से नगर की स्वच्छता व्यवस्था, पर्यावरण संरक्षण और आधारभूत नागरिक सुविधाओं को मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान बच्चों के साथ उनका आत्मीय संवाद भी विशेष आकर्षण रहा। कॉलेज गेट के समीप विद्यार्थियों को देखकर मुख्यमंत्री प्रोटोकॉल से हटकर अपने वाहन से नीचे उतरे और उनके बीच पहुंचकर बातचीत की। उन्होंने बच्चों का हालचाल जाना और उनसे संवाद किया। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर बच्चे खासे उत्साहित नजर आए। अचानक अपने बीच मुख्यमंत्री को पाकर विद्यार्थियों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ झलक रहा था।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अशोक जोशी, उपजिलाधिकारी नूपुर वर्मा सहित पार्षदगण, विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

दिव्यांग व्यक्ति के 43.2 लाख रुपये के कथित बकाये पर हरक सिंह रावत मौन क्यों ?: हनी पाठक



देहरादून, 31 अक्टूबर (नि०स०)। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती हनी पाठक ने पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत और उनसे करीबी संबंध रखने वाली जसवीर कौर आनंद उर्फ सोनिया आनंद रावत से जुड़े संपत्ति विवाद को लेकर कांग्रेस और उसके नेताओं की कथित नैतिकता पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि दूसरों को नैतिकता, जनसेवा और जवाबदेही का पाठ पढ़ाने वाले हरक सिंह रावत को पहले अपने करीबी लोगों से जुड़े गंभीर आरोपों पर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

श्रीमती हनी पाठक ने कहा कि वर्ष 2021 में हुए संपत्ति सौदे को लेकर शिकायतकर्ता हरिओम सहगल ने करीब 43.2 लाख रुपये के कथित बकाये और भुगतान के लिए दिए गए चेक बाउंस होने के आरोप लगाए हैं। सबसे गंभीर पहलू यह है कि शिकायतकर्ता एक दिव्यांग व्यक्ति हैं, जिनके दोनों हाथ नहीं हैं। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि यदि संपत्ति का सौदा हुआ था, तो कथित बकाये का भुगतान अब तक क्यों नहीं हुआ? क्या राजनीतिक रसूख रखने वाले लोगों से नजदीकी आर्थिक जिम्मेदारियों से बचने का आधार बन सकती है? उन्होंने कहा कि हरक सिंह रावत को स्पष्ट करना चाहिए कि इस मामले में उनका क्या पक्ष है और शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों पर संबंधित पक्ष का जवाब क्या है। यदि आरोप गलत हैं, तो तथ्यों के साथ उनका खंडन किया जाना चाहिए। लेकिन गंभीर सवालों पर चुप्पी साधकर जनता के बीच उठ रही शंकाओं को दूर नहीं किया जा सकता। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं को दूसरों पर सवाल उठाने से पहले अपने आचरण और अपने करीबियों से जुड़े विवादों पर भी जवाबदेही दिखानी चाहिए। सार्वजनिक जीवन में रहने वाले नेताओं की नैतिक जिम्मेदारी है कि वे ऐसे मामलों में पारदर्शिता बरतें। दिव्यांग व्यक्ति के अधिकारों का सवाल किसी राजनीतिक बहस से छोटा नहीं है और न ही राजनीतिक प्रभाव कानून से ऊपर हो सकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार कानून के शासन और निष्पक्ष जांच के सिद्धांत पर काम कर रही है। देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी सिटी को विस्तृत जांच सौंपना इसी प्रक्रिया का हिस्सा है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए।

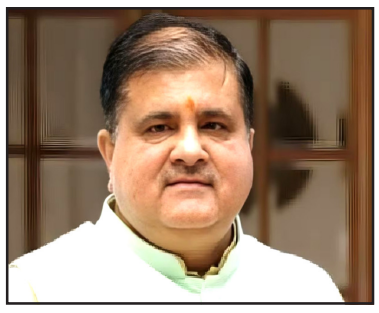
जन महाभियोग और रैली, चुनाव में नकारी पार्टियों का जमावड़ा : भट्ट

देहरादून, 31 अक्टूबर (नि०स०)। भाजपा ने विपक्ष के जन महाभियोग और 1 नवंबर की रैली को चुनाव में हारी और नकारी हुई पार्टियों की हताशा एवं निराशा करार दिया है।

प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने आरोप लगाया, जिन्होंने संसद को सड़क बनाने की कोशिश की वही सड़क पर संसद का नाटक रच रहे हैं। जनता देख रही है कि जिन्होंने वोट के अधिकार को घुसपैठियों के हाथों में सौंपकर देश को असुरक्षित किया था, देश और वोट बचाने का ढोंग कर रहे हैं। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस के दावों पर तंज किया कि प्रदेश में न उनके पास संगठन है, न लोग उन्हें स्वीकारते हैं, लिहाजा उनके लिए तो अभी दिल्ली और देहरादून दोनों बहुत दूर हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के 'जन महाभियोग' कार्यक्रम तथा 1 नवंबर को होने जा रही 'देश बचाओ, वोट बचाओ' महारैली पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से जनता का विश्वास हासिल करने में बार-बार विफल होने वाले अब पूरी संवैधानिक चुनावी प्रक्रिया को बदनाम करने पर तुल गए हैं।

उन्होंने कल दिल्ली में होने वाली विपक्ष की रैली को संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने की साजिश की कड़ी बताया। जिसमें आरोप लगाया कि कांग्रेस और पूरा विपक्ष चुनाव में हार की हताशा और जनता द्वारा नकारे जाने की निराशा में यह सब कर रहा है। क्योंकि जिस चुनाव आयोग और आयुक्त को लेकर विपक्ष झूठ फैला रहा है, उसी के संरक्षण में कांग्रेस की देश में 4 सरकारों को मिलकर कुल 7 राज्यों में विपक्ष की सरकारें चल रही हैं। लेकिन विपक्ष वोट चोरी का नैरेटिव फैलाकर एसआईआर की संवैधानिक प्रक्रिया को बाधित करना चाहता है। जिसमें बहुत बड़ा कारण है, मृत एवं घुसपैठियों के नाम जोड़कर, फर्जी वोटिंग अपने पक्ष में करवाने की साजिशों का रुकना है। इन्हीं लोगों ने सरकार में रहते मतदान का अधिकार घुसपैठियों को देकर उनसे वोट चोरी करवाई और देश की सुरक्षा को खतरे में डाला। अब बहुत



बेशर्मी से दिल्ली में देश बचाने वोट बचाने का झूठा प्रोपेगेंडा फैला रहे हैं। उनका एकमात्र मकसद, चुनाव आयोग जैसी लोकतांत्रिक व संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर कर अराजकता फैलाना।

भट्ट ने रैली की टाइमिंग पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए कहा कि ये सब 1984 के सिख दंगों की बरसी पर की जा रही है और आयोजक है इस नरसंहार की आरोपी। उन्होंने आरोप लगाया कि 1 नवंबर को कांग्रेस द्वारा रैली आयोजित करना 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है।

नगर निगम ने वायु प्रदूषण नियंत्रण एवं स्वच्छता के प्रति चलाया जागरूकता अभियान



देहरादून (नि०स०)। नगर निगम द्वारा महापौर के निर्देशानुसार एवं नगर आयुक्त के मार्गदर्शन में वायु प्रदूषण नियंत्रण, स्वच्छता एवं कचरे के स्रोत पर पृथक्करण के प्रति नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नागरिकों को वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों एवं बचाव के उपायों की जानकारी देते हुए खुले में कूड़ा न फेंकने, कूड़ा एवं पत्तियां न जलाने तथा सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने की अपील की गई। इस अवसर पर कचरे के स्रोत पर पृथक्करण के महत्व की जानकारी देते हुए गीले, सूखे एवं घरेलू हानिकारक कचरे को अलग-अलग रखने के लिए प्रेरित किया गया। नागरिकों से अपील की गई कि वे घरों से निकलने वाले कचरे को अलग-अलग करके नगर निगम के कूड़ा संग्रहण वाहनों को ही सौंपें, ताकि उसका उचित निस्तारण एवं पुनर्चक्रण किया जा सके। इसके साथ ही अनावश्यक वाहन उपयोग से बचने, सार्वजनिक परिवहन अपनाने एवं अधिक से अधिक पौधारोपण करने का संदेश भी दिया गया। अभियान में क्षेत्र के पार्षद एवं चीफ सेनेटरी इंस्पेक्टर उपस्थित रहे। नगर निगम की ओर से नागरिकों से स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की गई।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने की विभागीय समीक्षा

देहरादून (नि०स०)। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने आज अपने कैंप कार्यालय में कृषि विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ विभागीय समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने केंद्र एवं राज्य पोषित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तार से जानकारी लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान कृषि मंत्री ने नवम्बर माह में प्रस्तावित टी महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा की और सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही बैठक में हनी पॉलिसी की लॉन्चिंग और सीएम समृद्धि योजना के संबंध में भी विस्तार से चर्चा की गई। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नवम्बर माह में प्रस्तावित सभी कार्यक्रमों की तैयारियां निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरी की जाएं। उन्होंने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और किसानों तक उनका लाभ पहुंचाने के लिए विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश भी दिए। बैठक में कृषि मंत्री गणेश जोशी ने किसानों के हितों और उनकी आजीविका संवर्धन के लिए कार्य कर रही निजी संस्थाओं के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसी संस्थाओं के अनुभव, संसाधनों और प्रयासों का लाभ किसानों तक पहुंचाने की दिशा में कार्य किया जाए तथा किसान हितैषी गतिविधियों एवं योजनाओं को प्राथमिकता दी जाए।

सम्पादन मण्डल

समाचार सम्पादक: **डॉ. वी.डी. शर्मा**
संवाददाता: **रजत शर्मा**
संरक्षक सलाहकार: **डा. अश्विनी काम्बोज**
कानूनी सलाहकार: यशस्वी शर्मा (एड.)
अश्वनी मुद्गल (एड.)

देवपथ

हिन्दी सांध्य संस्करण

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक श्रीमती सुषमा शर्मा के लिए अभिप्रेरणा प्रिंटर्स, बंजारावाला (कारगी), देहरादून (उत्तराखण्ड) से मुद्रित एवं बंजारावाला (कारगी), देहरादून (उत्तराखण्ड) प्रकाशित।

सम्पादक : **रामेश्वर दत्त शर्मा**

नोट:- मुद्रित सामग्री के लिए प्रेस उत्तरदायी नहीं है। वाद-विवाद का क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा।

मोबाईल: 9358129177, 9557316580